

एसआरएमआईएसटी के 22वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति बोले- ‘विकसित भारत में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका’

विश्व केसरी

चेन्नई। भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को चेन्नई के पास चेंगलपट्टू के कट्टनकुलथुर में स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने स्नातक छात्रों से ‘राष्ट्र प्रथम’ के सिद्धांत से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण के लिए अपने ज्ञान, कौशल और नवाचार का उपयोग करने का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति ने स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह मात्र उपाधि प्रदान करने से कहीं अधिक है। यह वर्षों की लगन, अनुशासन और ज्ञान का उत्सव है, साथ ही यह जीवन भर की जिम्मेदारी और सेवा की यात्रा की शुरुआत का प्रतीक भी है।

सीपी राधाकृष्णन ने अंतरविषयक शिक्षा, रचनात्मकता, उद्यमिता और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने वाले शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए



एसआरएमआईएसटी की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर अनुसंधान, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और सतत विकास पर संस्थान के बढ़ते ध्यान का उल्लेख करते हुए कहा कि ये क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को रूप देंगे।

उपराष्ट्रपति ने जीवन में सुधार लाने वाले, उद्योग मजबूत करने वाले और सतत विकास में योगदान देने वाले अनुसंधान को व्यावहारिक समाधानों में बदलने पर एसआरएमआईएसटी की सराहना की।

उन्होंने कहा कि अनुसंधान तभी अपने सर्वोच्च उद्देश्य को प्राप्त करता है जब वह समाज की सेवा करता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अनुसंधान तभी सही मायने में सराहनीय होता है जब वह सही परिणाम देता है, समाज पर सार्थक प्रभाव डालता है और उससे लोगों को व्यावहारिक लाभ होता है।

उपराष्ट्रपति ने कोविड-19 महामारी के प्रति भारत की प्रतिक्रिया को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 100 से अधिक देशों को कोविड-19 टीके उपलब्ध कराए।

उन्होंने कहा कि भारत ने मानवीय सहायता का व्यवसायीकरण करने का प्रयास नहीं किया।

उन्होंने हाल ही में केन्या के स्पीकर जिन्होंने भारत की वैक्सीन सहायता के लिए आभार व्यक्त किया था, उनके साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा कि कई पड़ोसी देशों ने गरीब देशों को इस तरह की सहायता प्रदान नहीं की।

तेलंगाना ने खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण विभागों का किया विलय, संयुक्त निकाय बनाना उद्देश्य

विश्व केसरी
हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने खाद्य सुरक्षा विभाग और औषधि नियंत्रण विभाग को मिलाकर एक ही प्रशासन के तहत लाने का फैसला किया है, जिसे टीजी सेफ - तेलंगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एंसेशियल ड्रग्स कहा जाएगा।

स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग ने एक सरकारी आदेश जारी करके यह नया निकाय बनाया है।

इस आदेश के अनुसार, एकीकृत प्रशासन ‘खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006’ और ‘दवा और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940’ के तहत कानूनी प्रावधानों को बनाए रखेगा। संबंधित कानूनी अधिकारी और

कर्मचारी संबंधित कानूनों के अनुसार स्वतंत्र रूप से अपनी शक्तियों का प्रयोग करते रहेंगे।

तेलंगाना में औषधि नियंत्रण प्रशासन को महानिदेशक के रूप में तैनात रहे आईपीएस अधिकारी अविनाश मोहंती को टीजी सेफ का आयुक्त नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए एक अलग आदेश जारी किया है।

स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, तेलंगाना में लाइसेंस प्राप्त खाद्य व्यापार कार्यों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, असुरक्षित, नकली और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों और दवाओं को रोकने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ‘खाद्य

सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006’ और ‘दवा और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940’ के तहत अनुपालन और प्रवर्तन को मजबूत करने की आवश्यकता है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त के अधीन काम करने वाला खाद्य सुरक्षा विभाग और 1981 से स्वतंत्र रूप से काम कर रहा दवा नियंत्रण विभाग, लाइसेंसिंग, निरीक्षण, नमूनाकरण, परीक्षण और प्रवर्तन के माध्यम से खाद्य पदार्थ, दवाएं और प्रसाधन सामग्री को विनियमित करते हैं।

खाद्य और दवा विभागों का एक ही प्रशासनिक ढांचे में विलय, जिससे कानूनी भूमिकाओं को बढ़ावा मिलता है और समन्वय, निगरानी और नियामक परिणामों में सुधार होता है, देश के कई राज्यों में पहले ही आदेशों में कहा गया है, ‘खाद्य सुरक्षा विभाग और दवा नियंत्रण विभाग के सार्वजनिक स्वास्थ्य, उपभोक्ता सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन और प्रभावी नियामक प्रवर्तन से संबंधित साझा उद्देश्य है। निगरानी, ?खुफिया जानकारी, प्रवर्तन, कानूनी सहायता और नियामक परिणामों में सुधार के लिए एक एकीकृत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकार ने सावधानीपूर्वक जांच के बाद अब खाद्य सुरक्षा विभाग और दवा नियंत्रण विभाग के लिए एक एकीकृत प्रशासनिक ढांचा स्थापित करने का निर्णय लिया है।



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- संतोषी नगर, रमनगढ़ पानी टंकी,
रायपुर :-
Email ID - rmczonel@gmail.com
पत्र क्रं. /34483...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34483

वाई का नाम 15 कन्देयलाल बाजारी वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108D00303** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Jameela Begam** पिता / पति श्री/श्रीमती **Abdul Mazid** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. **FOORQAN AHMED** 2. **IRFAN AHMED** 3.**AFFAN AHMAD** पिता / पति श्री / श्रीमती **S/O IMTEYAZ AHMED** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख बंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- संतोषी नगर, रमनगढ़ पानी टंकी,
रायपुर :-
Email ID - rmczonel@gmail.com
पत्र क्रं. /34481...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34481

वाई का नाम 15 कन्देयलाल बाजारी वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107L0359A** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MOHAN BHAI RATHORE** पिता / पति श्री/श्रीमती **KALYAN JI BHAI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **JITENDRA RATHORE** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE MOHAN LAL RATHORE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAPATH PATRA, DEATH CERTIFICATE, PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- संतोषी नगर, रमनगढ़ पानी टंकी,
रायपुर :-
Email ID - rmczonel@gmail.com
पत्र क्र. 34392...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34392

वाई का नाम 15 कन्देयलाल बाजारी वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107L00581** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUDARSHAN MARWAH** पिता / पति श्री / श्रीमती **OMPRAKASH MARWAH** पिता / पति श्री/श्रीमती **KAMAL KISHOR MARWAH** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE OMPRAKASH MARWAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAPATH PATRA, DEATH CERTIFICATE, TAX RASID, PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- आर्. एस. बी. टी., वसुंत तल,
रामनगर, रायपुर :-
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्र. 34413...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 13-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34413

वाई का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652B00755** जो को निगम अभिलेख श्री श्रीमती **KEYARA BAI** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE MUNSHILAL DEVIDAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NAMESH KUMAR DHURU** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O BODHAN LAL DHURU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /**SAHMATI PATRA OR SHAPATH PATRA OR MALMA BIKRINAMA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- कोमल कामरेल्लर आलेन तौक,
रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्रं /.....34437...../ न. पा. नि. जौन
नं-7/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34437

वाई का नाम - 36 - तार्यामार वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR738F00178** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **TORAN LAL VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्रीमती खोव्वाहरीन, 02. श्री शिव कुमार वर्मा, 03. श्री गोपाल प्रसाद वर्मा, 04. श्री कुष्णा वर्मा, 05. श्री रमेश कुमार वर्मा, 06. श्री सुरेश कुमार वर्मा, 07. दामिनी वर्मा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता/पति स्व. तोरण लाल वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में अपना दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- संतोषी नगर, रमनगढ़ पानी टंकी,
रायपुर :-
Email ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्रं /.....34434...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 28073

वाई का नाम 4- यतीयनलाल वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR104A00586** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JAI BHAGWAN SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **SATYANARAYAN SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RAMESH SHARMA** पिता / पति श्री श्रीमती **SATYANARAYAN SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत बंटवाराणामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - ३)
:- रंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
रायपुर :-
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /.....34434...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34434

वाई का नाम - 12 - कालीमाता वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225E00279** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SMT. MAMTA BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAM DAS BHALADHARE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री राजू भावे पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. प्रभुदास भावे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - ३)
:- रंकर नगर पानी टंकी के नीचे,
रायपुर :-
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /.....34434...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34435

वाई का नाम - 12 - कालीमाता वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225E00279** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SMT. MAMTA BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAM DAS BHALADHARE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री राजू भावे पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. प्रभुदास भावे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- पुलिस ठान के पास, दूधे कॉलेजी,
मोवा, रायपुर :-
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /34347...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34347

वाई का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227B00106** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **NIRMALA GOYAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **DINASH GOYAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती केचन पाटकर पिता/पति श्री श्रीमती कैलाश प्रसाद पाटकर ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख बंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- पुलिस ठान के पास, दूधे कॉलेजी,
मोवा, रायपुर :-
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /34325...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34325

वाई का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227P00216** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ASHWANI KUMAR** पिता/पति श्री श्रीमती **GANGURAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. कु. सुनीता नायडू 2. कु. ललिता नायडू पिता / पति श्री श्रीमती पी. वाय नायडू ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख बंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



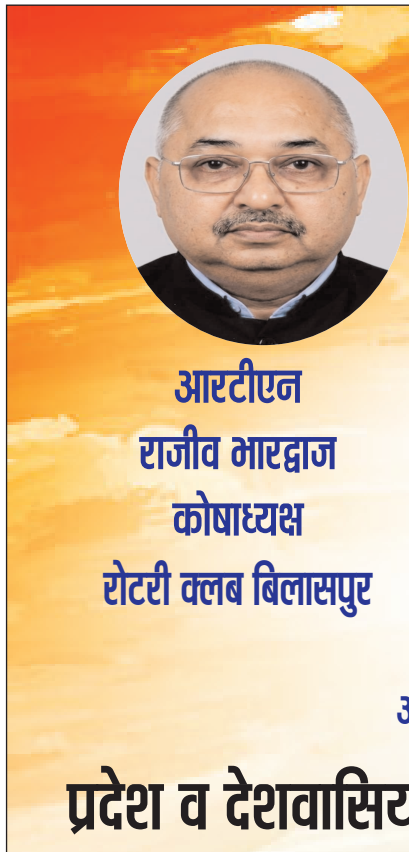
कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- पुलिस ठान के पास, दूधे कॉलेजी,
मोवा, रायपुर :-
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /34323...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34323

वाई का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R227C00230** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **AMIT GANG** पिता/पति श्री श्रीमती **PREMCHAND GANG** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती लीता मोहता पिता / पति श्री श्रीमती संजय मोहता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

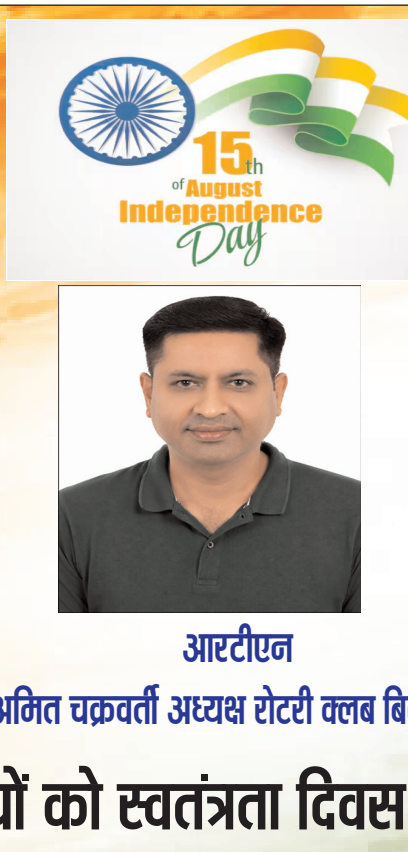


कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन ड - १)
:- संतोषी नगर, रमनगढ़ पानी टंकी,
रायपुर :-
Email ID - rmczonel@gmail.com
पत्र क्रं /34482...../ न. पा. नि. जौन
क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026
इशितहार
नामांतरण प्र.क्र. 34482

वाई का नाम 15 कन्देयलाल बाजारी वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108D00405** जो को निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SARITA GUPTA** पिता / पति श्री/श्रीमती **MOTI LAL GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **AANCHAL SAINI** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O YOGESH SAINI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



आरटीएन
राजीव भारद्वाज
कोषाध्यक्ष
रोटरी क्लब बिलासपुर



आरटीएन
अमित चक्रवर्ती अध्यक्ष रोटरी क्लब बिलासपुर



आरटीएन
रंजीतबाली
सचिव
रोटरी क्लब बिलासपुर

प्रदेश व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं



प्रेस क्लब सिहावा -नगरी

पंजीयन क्र. 122202414234



समस्त क्षेत्र वासियों को 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाएँ



अध्यक्ष

श्री राजशेखर नायर

9424210591



उपाध्यक्ष

श्री अभिनव अवस्थी

9340385443



सचिव

श्री दीपेश निषाद

9009313646



कोषाध्यक्ष

श्री अशोक सचेती

7354733337



संरक्षक

श्री विनोद गुप्ता

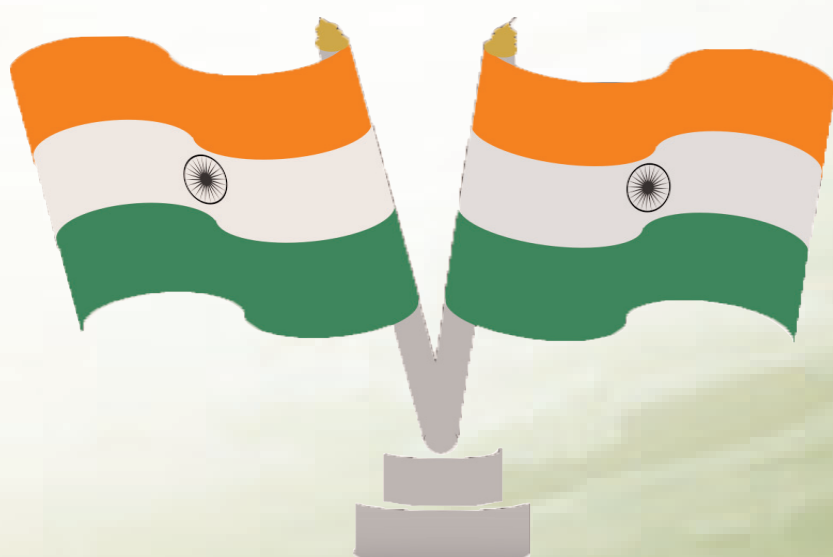
9303595028



संरक्षक

श्री जीवन नाहटा

9753056010



विनीत:- एक शुभचिंतक



विनीत:- वन परिक्षेत्र अधिकारी दुर्ग कोदंल



विनीत:- वन परिक्षेत्र अधिकारी भानुप्रतापपुर



विनीत:- एस.डी.ओ. आर.ई. एस स्टाप दुर्ग कोदंल



विनीत:- एस.डी.ओ. आर.ई. एस स्टाप भानुप्रतापपुर

संपादकीय

नागपंचमी पर विशेष

मंदिरों की शिल्पकला में क्यों अमर हैं नाग?



आचार्य ललित मुनि

ऐसी सांस्कृतिक और धार्मिक संकल्पना भी है, जिसमें सर्प के साथ जल, धरती, उर्वरता, रहस्य, शक्ति और संरक्षण जैसे अनेक अर्थ जुड़े हैं। प्राचीन भारतीय परंपराओं में नागों को भूमिगत लोक, जलाशयों और प्राकृतिक शक्तियों से भी जोड़ा गया।

यही कारण है कि मंदिर शिल्प में नाग कभी मनुष्याकार तो कभी सर्पाकार और कभी मानव शरीर तथा सर्पाकार शरीर के सम्मिलित रूप में दिखाई देते हैं। नागों को कई फणों के साथ दिखाना भी उनकी असाधारण शक्ति और दैवी स्वरूप का संकेत माना गया।

भारतीय मंदिर शिल्प में नागों की सबसे प्रसिद्ध उपस्थिति विष्णु और शिव से जुड़े रूपों में दिखाई देती है। भगवान विष्णु के अनंतशयन रूप में शेषनाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विष्णु अंतर्त की कुंडलियों पर शयन करते हैं और उसके अनेक फण उनके ऊपर छत्र की तरह फैल जाते



हैं। यहां नाग केवल एक सर्प नहीं, बल्कि अनंतता, संरक्षण और ब्रह्मांडीय व्यवस्था का प्रतीक बन जाता है।

दूसरी ओर शिव की प्रतिमाओं में सर्प उनके गले में दिखाई देता है। शिव के साथ सर्प का संबंध भय और मृत्यु पर नियंत्रण, शक्ति और वैराग्य की प्रतीकात्मक व्याख्याओं से जोड़ा गया है। इस प्रकार एक ही जीव विष्णु के लिए शैश्या और छत्र बनता है तथा शिव के लिए आभूषण। यह भारतीय प्रतीक-चिंतन की विशेषता है कि प्रकृति का कोई जीव एक ही अर्थ में सीमित नहीं रहता।

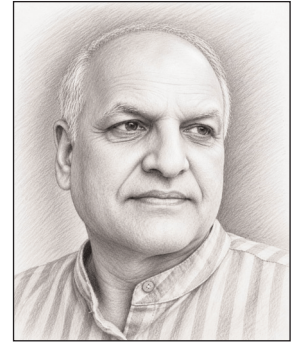
समुद्र मंथन की कथा में भी नागराज वासुकि की महत्वपूर्ण भूमिका है। देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन के लिए वासुकि को मथनी की रस्सी के रूप में उपयोग किए जाने का प्रसंग भारतीय कला में अनेक रूपों में अंकित हुआ है।

नागों का एक महत्वपूर्ण रूप रक्षक का है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में नागों को जलाशयों, कुओं, तालाबों और भूमिगत संपदा के संरक्षक के रूप में देखा गया। इसी कारण नाग प्रतिमाओं का संबंध केवल गर्भगृह या मुख्य देवता से ही नहीं रहा, बल्कि मंदिर परिसर और पवित्र जलस्थलों से भी जुड़ा। भारतीय मंदिर शिल्प में नागों का अंकन कई बार देवता के साथ अधीनस्थ या सहायक रूप में दिखाई देता है, जबकि कुछ स्थानों पर वे स्वतंत्र रक्षक के रूप में उपस्थित हैं।

यहां एक गहरा सांस्कृतिक संकेत दिखाई देता है। जल जहां जीवन का आधार है, वहीं जलक्षोतों के आसपास सर्पों की प्राकृतिक उपस्थिति भी रही है। संभव है कि लोकजीवन के अनुभवों ने धीरे-धीरे जल और नाग के बीच धार्मिक संबंध को मजबूत किया हो। इसीलिए नाग पूजा में जल, वर्षा, उर्वरता और समृद्धि के भाव भी दिखाई देते हैं।

भारत के अनेक हिस्सों में नागों को उर्वरता और संतान प्राप्ति से जोड़ा गया है। दक्षिण भारत में नागशिलाओं की पूजा की परंपरा विशेष रूप से उल्लेखनीय है। पवित्र वृक्षों के नीचे स्थापित नाग प्रतिमाओं के सामने संतान और समृद्धि की कामना की जाती है। भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के अध्ययन में नाग पूजा को उर्वरता और समृद्धि से जुड़े अनुष्ठानों से भी जोड़ा गया है। यह संबंध केवल धार्मिक कल्पना नहीं है। कृषि समाज के लिए वर्षा, जल, भूमि और फसल का आपसी संबंध जीवन-मरण का प्रश्न था।

आखिर क्या है प्रधानमंत्री के सप्तधारा?



गिरीश पंकज
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए ‘शक्ति की सप्तधारा’ की ऐतिहासिक रूपरेखा प्रस्तुत की। यह सात सूत्रीय विकास ढांचा भारत को वर्ष 2047 तक ‘विकसित भारत’ बनाने के संकल्प को गति देने और अगले कुछ वर्षों में देश के आर्थिक, रणनीतिक तथा सामाजिक परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। प्राचीन भारत की सांस्कृतिक व भौगोलिक शक्ति के प्रतीक ‘सप्त सिंधु’ की अवधारणा को आधुनिक संदर्भ में ढालते हुए प्रधानमंत्री ने इन सात विकास धाराओं को राष्ट्रीय पुरस्त्थान का आधार स्तंभ बताया है। प्रधानमंत्री का भाषण सुनते हुए मुझे पाँच दशक पहले लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) द्वारा प्रतिपादित ‘संपूर्ण क्रांति’ के वैचारिक ढांचे में समाज और व्यक्ति के जीवन को पूरी तरह बदलने के लिए सात क्रांतियों की याद हो आई, जिन्हें ‘सप्तक्रांति’ नाम से भी जाना जाता है। जेपी का मानना था कि केवल राजनीतिक सत्ता या सरकार बदलना परिवर्तन के लिए पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के हर स्तर पर बुनियादी बदलाव होना चाहिए। जयप्रकाश नारायण की सप्त क्रांति

के सात प्रमुख आयाम थे, राजनीतिक क्रांति, आर्थिक क्रांति, सामाजिक क्रांति, सांस्कृतिक क्रांति, शैक्षणिक क्रांति, बौद्धिक क्रांति एवं बौद्धिक क्रांति । भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था और अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को समाप्त कर सत्ता का वास्तविक विकेंद्रीकरण करना और सच्चे अर्थों में सांस्कृतिक क्रांति जनता का राज (लोकराज) स्थापित करना। समाज की आर्थिक असमानता, वर्गभेद, शोषण और बेरोजगारी को खत्म करके न्यायपूर्ण उत्पादन व वितरण प्रणाली पर आधारित शैक्षणिक क्रांतिसमतामूलक व्यवस्था बनाना। जाति, धर्म, वर्ण और लिंग आधारित भेदभाव (जैसे जात-पात, ऊँच-नीच, छुआछूत और दहेज प्रथा) का पूरी तरह उन्मूलन कर एक समरस समाज का निर्माण करना। रूढ़िवादिता, पाखंड और संकीर्णता को त्यागकर मानवीय मूल्यों, नैतिकता, बंधुत्व और सहिष्णुता पर आधारित संस्कृति को अपनाना। शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल सुधार करना ताकि वह रोजगारोन्मुख होने के साथ-साथ युवाओं में नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों को बोध करा सके। व्यक्ति और समाज में दबी हुई तार्किक क्षमता को उभारना, अंधविश्वासों का विरोध करना और स्वतंत्र व वैज्ञानिक चिंतन को बढ़ावा देना, व्यक्ति के भीतर नैतिक मूल्यों, अंतरात्मा की शुद्धि और आत्मगुणासन को जागृत करना ताकि मनुष्य भौतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के प्रति ईमानदार रह सके। इन सातों क्रांतियों का समग्र उद्देश्य व्यक्ति के आंतरिक सुधार से लेकर बाहरी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक ढांचे में एक साथ क्रांतिकारी परिवर्तन लाना था।

लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के दौर में समय बदल चुका है, इसलिए उन्होंने अलग किस्म की सप्त क्रांति की बात की। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त वैचारिक सामग्री के अनुसार प्रधानमंत्री की सप्तक्रांति अथवा सप्तधारा को मैंने विभिन्न माध्यमों से जैसा समझा, उसे रखने की कोशिश कर रहा हूँ :-



- मैन्यूफैक्चरिंग पावर :भारत को केवल असेंबली हब न बनाकर ‘डिजाइन से लेकर अंतिम उत्पाद’ तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का वैश्विक केंद्र बनाना, वैश्विक मानकों पर जरा उतरने के लिए ‘जिरो डिफेक्ट’ निर्माण प्रक्रिया को राष्ट्रीय ब्रांड वैल्यू बनाना, चिप निर्माण में आत्मनिर्भरता और सेमीकंडक्टर फैब यूनिट्स का तीव्र विस्तार। वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत को सबसे विश्वसनीय सप्लाय चेन पार्टनर के रूप में स्थापित करना।
- कृषि और फूड प्रोसेसिंग: भारतीय कृषि को केवल निर्याद

बनाना,फसल कटाई के बाद के नुकसान को न्यूनतम करने के लिए आधुनिक एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टरस का निर्माण ।
3. तकनीक और नवाचार : भारत को डिजिटल उपभोक्ता से आगे बढ़ाकर भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों का वैश्विक निर्माता बनाना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्पेस टेक और अत्याधुनिक डेटा सेंटरस। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और यूपीआई को सफलता के बाद स्वदेशी संचार तकनीक का नेतृत्व। तकनीकी परिवर्तन के अनुकूल युवाओं को

तैयार करने के लिए बड़े पैमाने पर कौशल विकास, जैसे भारत एआई मिशन के तहत एक करोड़ युवाओं का एआई प्रशिक्षण देना ।

4. गति शक्ति : देश में लॉजिस्टिक्स लागत को वैश्विक औसत पर लाना और परिवहन के सभी माध्यमों को एकीकृत करना। प्रमुख आर्थिक केंद्रों और कुछ शहरों के बीच तेज गति वाली रेल और आधुनिक हाईवे कनेक्टिविटी। सागरमाला परियोजना के तहत बंदरगाहों का आधुनिकीकरण और उन्हें अंतर्देशीय जलमार्गों तथा डेडिक्टेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ना। आपूर्ति श्रृंखला में होने वाली देरी और इंधन खपत को घटाने के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब।

5. रक्षा शक्ति और आत्मनिर्भरता : रक्षा आयातों पर रणनीतिक निर्भरता समाप्त कर भारत को एक प्रमुख रक्षा उत्पादक और वैश्विक निर्यातक बनाना, हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, ड्रोन और कार्डटर-ड्रोन सिस्टम्स का स्वदेशी विकास,घरेलू रक्षा उत्पादन और रक्षा निर्यात को अगले पाँच वर्षों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचाना। रक्षा गलियारों के माध्यम से स्वदेशी उद्योग को बढ़ावा देना।

26. ग्रीन और ब्लू इकोनॉमी : आर्थिक विकास को पर्यावरणीय स्थिरता और समुद्री संपदा के सतत दोहन के साथ संतुलित करना ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर व विंड एनर्जी स्टोरेज, और सी ग्रीवावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का राष्ट्रीय लक्ष्य। 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा का उपयोग कर डीप ओशन एक्सप्लोरेशन, आधुनिक मत्स्य पालन, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और तटीय पर्यटन को गति देना। समुद्री उत्पादों के प्रसंस्करण और निर्यात

को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपग्रेड करना।

7. भारत की सॉफ्ट पावर :भारत की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान परंपरा और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति तथा आर्थिक प्रभाव का माध्यम बनाना। योग, आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य का वैश्विक प्रसार,भारतीय सिनेमा, संगीत, गेमिंग, हस्तशिल्प और कला को वैश्विक मंच पर आर्थिक शक्ति बनाना। सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और इको-टूरिज्म सर्किट्स के जरिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करना।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि 5 से 7 दशकों का काम हमें आने वाले 5 से 7 वर्षों में पूरा करना है इसे उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस कहा है । विपक्ष प्रधानमंत्री की लाख आलोचना करते रहे लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपने विजन को लेकर निरंतर गतिशील हैं और राष्ट्र के विकास हेतु नित नई योजनाओं पर काम करते रहते हैं। उसी का नतीजा है यह सप्त धारा। भारत के पास समय की असीमित गुंजाइश नहीं है। जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रशासनिक, नीतिगत और ढांचगत सुधारों को युद्धस्तर पर लागू करना होगा। सप्तधारा कोई अलग-थलग योजना नहीं है, बल्कि यह गति शक्ति, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, पीएलआई स्कीम्स और ऊर्जा सुरक्षा जैसी विभिन्न नीतियों को एक साझा लक्ष्य ‘विकसित भारत’ के तहत एकीकृत करती है।

आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा, चिप्स, रक्षा साजो-सामान और आवश्यक खनिजों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम है।

पंचायतें, पितृसत्ता और न्याय का प्रश्न



डॉ. सत्यवान सौरभ
क्या उसे गरीब आदमी की बेटी होने के कारण क्षमा मिल गई? यहाँ के मुद्दे पंचायतें, पितृसत्ता और न्याय का प्रश्न हैं।

बेटी की मृत्यु किसी के लिए त्रासदी नहीं है। यह समाज के सामने एक सवाल खड़ा करती है: क्या सभी बेटियों का मूल्य उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना समान है? क्या किसी गरीब परिवार की बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होने पर न्याय की उम्मीद कम हो जानी चाहिए, सिर्फ इसलिए कि परिवार में धन, प्रभाव या सामाजिक शक्ति की कमी है? क्या गंभीर आरोप लगने पर गांव की पंचायत

दूसरे परिवार को ‘माफ़’ कर सकती है? सिल्लू बलहारा के मामले में इन सवालों ने इन चिंताओं को सार्वजनिक रूप से उजागर कर दिया है। अंततः, किसी भी मामले में तथ्यों और आरोपों की पुष्टि निष्पक्ष जांच प्रक्रिया और आधिकारिक दस्तावेजों के माध्यम से होनी चाहिए। किसी को भी केवल सोशल मीडिया सामग्री के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। लेकिन इस विवाद से उत्पन्न एक बड़ा मुद्दा अनदेखा नहीं किया जा सकता: जब किसी संदिग्ध मामले में बेटी की मौत की जांच पंचायत द्वारा की जाती है जो नियमों का पालन करने से इनकार करती है और परिवार के साथ समझौता कर लेती है, तो क्या यह न्याय है?

पंचायतें जमीनी स्तर की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्थानीय क्षेत्र के शासन, विकास और सामुदायिक जीवन में इनका अहम योगदान होता है। हालाँकि, पंचायत न्यायालय नहीं है। आपराधिक जिम्मेदारी तय करने में यह पुलिस, अभियोजन पक्ष या

न्यायपालिका का स्थान नहीं ले सकती। हिंसा, उत्पीड़न या अप्राकृतिक मृत्यु के किसी भी गंभीर आरोप की जांच कानूनी व्यवस्था के माध्यम से ही होनी चाहिए। दोषी या निर्दोष साबित करने के लिए साक्ष्य और उचित कानूनी प्रक्रिया पर विचार किया जाना चाहिए, न कि सामाजिक प्रभाव या सामुदायिक दबाव पर। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण समाज अक्सर पंचायतों द्वारा लिए गए निर्णयों को नैतिक रूप से बहुत अधिक महत्व देता है। एक कमजोर परिवार समूह के दबाव में आसानी से झुक सकता है। यदि प्रमुख व्यक्ति समझौता करने को कहते हैं, तो परिवार को लग सकता है कि वे सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ जाएंगे, संघर्ष का खर्च वहन करने में असमर्थ होंगे या और अधिक अपमान का सामना करेंगे। इस प्रकार, बाहरी पर्यवेक्षकों को यह ‘समझौता’ लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह सौदेबाजी की असमान शक्ति का परिणाम हो सकता है।

अंतर अवश्य हैं, लेकिन मूल प्रश्न का उत्तर यही है, ‘क्या

परिस्थितियाँ वैसी ही होतीं यदि मृतक किसी प्रभावशाली परिवार का पुत्र होता?’ इस प्रश्न में समाज का दोहरा मापदंड निहित है। जब किसी बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो जाती है, तो परिवार आमतौर पर जवाब, जाँच और दंड की माँग करता है, यदि यह निर्धारित हो जाता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। यह एक ऐसी मींग है जिसे समाज अक्सर बढ़ावा देता है। हालाँकि, अक्सर यह अपेक्षा की जाती है कि जब किसी की बेटी का निधन हो जाता है, विशेषकर यदि उसकी शादी हो चुकी हो, तो परिवार को समझौता कर लेना चाहिए। उनकी यादें पारिवारिक सम्मान, बच्चों के भविष्य, सामाजिक प्रतिष्ठा और रिश्तों की अवधारणाओं से जुड़ जाती हैं। त्रासदी को समायोजन के विषय में बदल दिया जाता है। यह किसी भी प्रकार से न्याय नहीं है। यह केवल देशभक्ति के वेश में स्त्री की विवेकशीलता है।

भारतीय समाज में पुत्रों को हमेशा से ही बहनों से अधिक महत्व दिया गया है। पुत्रों को परिवार का उत्तराधिकारी, रक्षक और नाम का वाहक माना जाता रहा है।

चुटकुले

आज के बच्चों को क्या पता की संघर्ष क्या है ।
हमने वो टाइम भी देखा है ।
जब मोबाइल में 5 लिखने के लिए ।
7 को चार बार दबाना पड़ता था ।

यमराज: इसके कर्मों का हिसाब बताओ ?

चित्रगुप्त: अच्छे कर्म है ?

यम: स्वर्ग भेजो ?

चित्रगुप्त: किंतु इसका आधार कार्ड लिंक नही हुआ ?

यम: नर्क में भेजो साले को ।

मै रेस्टोरेंट गया

सभी सीट पर कपल बैठे

बैठने के लिए जगह ही नही थीं

मैंने फोन कान पे लगा के जोर से बोला

भाई जल्दी आ यहीं पर है ,,

दूसरे के साथ बेठी हैं तु जल्दी आ बस

9 लड़कियां उठ कर भाग गयी

आज के बच्चों को क्या पता की संघर्ष क्या है ।

हमने वो टाइम भी देखा है ।

जब मोबाइल में 5 लिखने के लिए ।

7 को चार बार दबाना पड़ता था ।

व्यंग्य केसरी

आस्तीन के सांप : बाप रे बाप !



रविंद्र गिन्नोरे
भारत में विषधर सांपों को पूजा जाता है। नागपंचमी नागों के पूछने का पर्व है। विषधर होने के बावजूद सांप पूजनीय है। वहीं आस्तीन के सांप हमेशा उसने की ताक में बैठे रहते हैं। ताजुब्ब है कि आस्तीन वाले सांप ज़मीन पर रेंगते नहीं है बल्कि वे दो पैर

वाले होते हैं। ‘आस्तीन’ फ़ारसी भाषा का शब्द है। मुगलों के साथ यह शब्द आया। फिर मुहवारा बना आस्तीन के सांप अर्थात् मित्र बनकर नुकसान पहुंचाने वाला व्यक्ति।

आस्तीन के सांप दिखाई नहीं पड़ते जो जहरीले सांपों से ज्यादा खतरनाक साबित होते हैं। देश में इन दिनों आस्तीन के सांपों की तादाद बहुत बढ़ चली है। छद्म नाम और चोला पहनकर भारतीय बने हुए हैं पर वास्तव में हैं नहीं..। नामी-गिरामी लोड़ आस्तीन के सांप की भूमिका निभा रहे हैं। भोली भाली जनता को बरगलाने के लिए बहुतें न अपना नाम बदल रखा है। ऐसे सारे आस्तीन के सांप हिन्दू नामधारी बने हैं। लोकतंत्र में

जनता को लूटने, स्वांग रचने वाले बहुरूपियों को आम आदमी नहीं पहचान पाता।

देश में आजकल कुछ जगहों पर आस्तीन के साँपों की बड़ी इच्छत बढ़ चली भी। ये सीधे मंचों पर चढ़ते हैं, माइक पकड़ते हैं, और देशभक्ति का ऐसा प्रवचन झाड़ते हैं कि सुनने वाला खुद को ही देशदोही समझने लगे। इनके चेहरे पर मासूमियत इतनी गहरी होती है कि लगता है जैसे दूध में धुले नहीं, बल्कि प्रचार में डबाले गए हों। सोशल मीडिया में छहर हुए हैं। इनके भीतर का जहर इतना संयमित रहता है कि वह धीरे-धीरे असर दिखाता है, जैसे कोई पॉलिश की हुई मजाली की बात यह है कि ऐसे लोग अपना चोला

बदलने में इतने निपुण होते हैं कि कल तक जो किसी और नाम से पहचाने जाते थे आज नए नाम, नए रंग और नए आदर्शों के साथ जनता के सामने खड़े हो चले हैं। भोली जनता भी उन्हें देखकर सोचती रह जाती है—वाह, क्या संस्कार हैं...! क्या विचार हैं...! और उधर आस्तीन में छिपा साँप मुस्कराता हुआ अपने डंक की धार और तेज़ करता रहता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी शायद यही है कि यहाँ बहुरूपिए अक्सर ईमानदार और ईमानदार लोग कई बार संदिग्ध दिखाई पड़ते हैं। यही कारण है देश में आस्तीन के तेजी से पनप रहे हैं।

ravindragnnore58@gmail.com

इतिहास

17 अगस्त के इतिहास में भारत विभाजन की रेडक्लिफ रेखा का प्रकाशन, महान क्रांतिकारी मदन लाल दींगरा की शहादत और इंडोनेशिया का स्वतंत्रता दिवस जैसी प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं1909: महान भारतीय क्रांतिकारी मदन लाल दींगरा को लार्ड कर्जन बायली की हत्या के आरोप में लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गई थी।

1909: महान भारतीय क्रांतिकारी मदन लाल दींगरा को लार्ड कर्जन बायली की हत्या के आरोप में लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गई थी। 1945: इंडोनेशिया को डच (नीदरलैंड्स) शासन से आजादी मिली थी और इसी दिन इंडोनेशिया ने अपने स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की थी। 1947: भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तय करने वाली रेडक्लिफ लाइन (Radcliffe Line) को आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किया गया था।

नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति, विकास और समृद्धि की नई यात्रा पर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस फ़ोर्ड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस माँ भादव की वंदना, हमारे गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करने का पावन अवसर है।

मुख्यमंत्री साय ने महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव अंबेडकर और वीर सावरकर सहित स्वतंत्रता संग्राम के असंख्य सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाने वाले भरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, गेद सिंह, धुखा राव, यादव राव, वेंकट राव, डेबरी धुर और आयतु माहरा सहित जननायकों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी का संदेश – ‘पराधीन सपनेहूँ

सुख नहीं’, संत कबीर की वाणी और बाबा गुरु चासीदास जी का ‘मनखे-मनखे एक समान’ का उद्धोष हमें स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा के मूल्यों की निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती का उल्लेख करते हुए उनके राष्ट्रीय एकता के संकल्प का स्मरण किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साहसिक नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता मिली है। माओवाद से मुक्त बस्तर में आज तिरंगा यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता का उत्सव मनाया जा रहा है। जो क्षेत्र कभी हिंसा और भय से प्रभावित थे, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर की सर्वांगीण प्रगति डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। जगदलपुर में राष्ट्रीय स्तर की मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वाँ बैठक का आयोजन बदलते बस्तर की नई पहचान का प्रतीक है। अब बस्तर के नवनिर्माण का स्वर्णिम समय है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ‘नियद नेल्ला नार 2.0’ और ‘बस्तर मुन्ने अभियान’ के माध्यम से 31 योजनाओं और 14 सामुदायिक सुविधाओं का शत-प्रतिशत

सेचुरेशन सुनिश्चित करते हुए बस्तर संभाग के 39 लाख से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। नक्सल हिंसा के कारण बंद पड़े स्कूलों को पुनः प्रारंभ करने के साथ 36 नए स्कूल स्वीकृत किए गए हैं। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है।

‘मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान’ में 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच कर हेल्थ प्रोफाइल तैयार की गई है। लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की ‘आजीविका उन्नयन योजना’ तैयार की गई है। सुरक्षा कैंप अब सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं तथा वीर गुंडाधुर के गांव नेतानर से शुरू ‘सेवा डेरा’ के माध्यम से नागरिक सुविधाओं, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में सड़क, बिजली, परिवहन और संचार की मजबूत बुनियाद तैयार की जा रही है। सौर ऊर्जा से ऊर्जाकृत 461 गांवों को ग्रिड आधारित बिजली प्रणाली से जोड़ने तथा 234 अंदरूनी बसाहटों को मुख्य सड़कों से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। ‘मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा’ से बस्तर और सरगुजा संभाग के 814 गांवों को सार्वजनिक

परिवहन की सुविधा मिल रही है।

अननदाता की समृद्धि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अननदाता हमारे भाग्य विधाता हैं और उनका सुख, सम्मान तथा समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों से 3,100 रुपए प्रति बिंटल की दर से 21 बिंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जा रहा है। ‘कृषक उन्नति योजना’ की राशि का एकमुश्त भुगतान होली से पहले किया गया।

उन्होंने कहा कि सरकार फसल विविधीकरण को भी बढ़ावा दे रही है। धान के बदले दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसल लेने पर ‘कृषक उन्नति योजना’ के अंतर्गत 15 हजार रुपए की आदान सहायता देने का निर्णय लिया गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ‘सहकार से समृद्धि’ की संकल्पना के अनुरूप प्रदेश से 2,028 पैक्स का कंप्यूटीकरण पूरा किया गया है और इनमें से 1,988 पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में भी सेवाएं दे रहे हैं। सिंचाई विस्तार के लिए 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की मंजूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की नदियों को जोड़ने की सोच को आगे बढ़ाते हुए ‘सिकासार-कोडार नहर लिंकिंग परियोजना’ के लिए 3,047 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की मंजूरी दी गई है।

अटल सिंचाई योजना के माध्यम से बंद पड़ी सिंचाई परियोजनाओं का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इंद्रावती नदी पर लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की लागत से मटनार और देउरगांव बैराज बनाए जाएंगे, जिनसे 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने तेंदूपता संग्राहकों के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें साढ़े पांच हजार रुपए प्रति मानक बोरा पारिश्रमिक दिया जा रहा है तथा ‘चरण पादुका योजना’ पुनः प्रारंभ की गई है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ‘मोदी की गारंटी’ के अनुरूप प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति के बाद अब तक 24 लाख 50 हजार आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 1,600 घर बनाए जा रहे हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर ने निकाला मार्च, गांधी चौक में किया सत्याग्रह

विश्व केसरी । **कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर अध्यक्ष बसंत यादव के नेतृत्व मै कांग्रेस की रैली के स्थल पर कांथित रूप से किए गए ‘शुद्धिकरण’ के विरोध में मार्च एवं सत्याग्रह आंदोलन आयोजित किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुराना बस स्टैंड कांकेर से गांधी चौक तक मार्च निकालकर घटना के प्रति विरोध दर्ज कराय़ा और गांधी चौक में सत्याग्रह किया। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति के बाद रैली स्थल का गंगाजल से तथाकथित ‘शुद्धिकरण’ किया जाना अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण कृत्य है। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण मानसिकता का परिचायक बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं देश की सामाजिक समरसता, समानता,बंधुत्व और मानवीय गरिमा के मूल्यों के विपरीत हैं। इसी घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के पदाधिकारी,वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पुराना बस स्टैंड में एकत्रित हुए। यहां से कांग्रेसजनों ने हाथों में पार्टी का

झंडा एवं तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्ग से गांधी चौक तक मार्च किया। गांधी चौक पहुंचकर कांग्रेसजनों ने राष्टृपिता महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों के अनुरूप सत्याग्रह कर अपना विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे देश के वरिष्ठ नेता हैं और उनके प्रति इस प्रकार का व्यवहार केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का अपमान नहीं है,बल्कि देश के करोड़ों लोगों की गरिमा,समानता,बंधुत्व और सामाजिक न्याय की भावना पर आघात है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता एवं सम्मान का अधिकार प्रदान करता है और लोकतांत्रिक समाज में जातिगत एवं भेदभावपूर्ण मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी संविधान, सामाजिक न्याय,समानता, भाईचारे और मानवीय गरिमा को रक्षा के लिए आवाज उठाती रहेगी। महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए कांग्रेस समाज में नफ़रत,भेदभाव और विभाजनकारी मानसिकता का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी।

समाजसेवा, पत्रकारिता और साहित्य में योगदान पर सुरेश सिंह बैस ‘शाश्वत’ रायपुर में राष्ट्रीय सम्मान छत्तीसगढ़ रत्न से सम्मानित हुए

विश्व केसरी । **रायपुर।** समाजसेवा, निर्भीक पत्रकारिता और साहित्य-सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिलासपुर के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं समाजसेवी सुरेश सिंह बैस ‘शाश्वत’ को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिभा महासम्मेलन में मिला सम्मान, बिलासपुर के लिए गौरव का क्षण स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 2026 को रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित ‘अखिल भारतीय प्रतिभा महासम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह- 2026’ में उन्हें ‘छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान’ प्रदान किया गया।राष्ट्रीय स्तर के इस गरिमामय समारोह में देशभर से चयनित समाजसेवियों, साहित्यकारों, पत्रकारों, शिक्षाविदों, कलाकारों एवं विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पूर्व विधायक सलाहकार , माननीय राज्यपाल , छत्तीसगढ़ भीम प्रसाद पाण्डेय , अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग , संजय



अग्रवाल जी ; महापौर श्रीमती मीनल चौबे , रायपुर ; विधायक पुरंदर मिश्रा जी , रायपुर ; केपीएस प्रमुख राकेशकुमार मिश्रा सहित महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश से आए अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी , पतंजलि योग समिति, छत्तीसगढ़ डॉ. मनोज पाणीग्रही ; छत्रपती संभाजीनगर , महाराष्ट्र से डॉ. पंढरीनाथ रोकेडे ; भुसावल , महाराष्ट्र से डॉ. दिलीपकुमार ललवाणी ; मुंबई से डॉ. गौतम ऋषि मोरे तथा भोपाल से महान साहित्यकार डॉ. सुनिता पेंड्रे की विशेष उपस्थिति ने समारोह को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया । समारोह के मुख्य

संयोजक एंड क्रांति महाजन रहे । यह आयोजन ‘रेडियंट टैलेंट बुक ऑफ सलैड रिकॉर्ड’ की संकल्पना एवं पहल पर तथा विभिन्न सामाजिक , शैक्षणिक , सांस्कृतिक एवं प्रतिभा-सम्मान से जुड़ी संस्थाओं के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित किया गया यहां आयोजित इस महाराष्ट्र के प्रभाव वाले इलाकों की कला , संस्कृति , लोकपरंपरा और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच से जोड़ना रही । छत्तीसगढ़ की ललवाणी , लोककला , लोकसंगीत , लोकनृत्य , उन्हींने कहा कि जिस उत्साह और भावना को दर्शाता है। इकाम अहमद ने कहा, ‘बिरगांव की

विश्व केसरी ।

भोपालपट्टनम । उल्लूर, भोपालपट्टनम – डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, उल्लूर में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, उत्साह एवं उल्लास के साथ गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य कविता कोरम तथा विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार कोरम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी. वेणुगोपाल राव ने की। समारोह में शिक्षकगण, विद्यार्थी, अभिभावक एवं पत्रकारगण मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि कविता कोरम



ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान हुआ और उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। विद्यार्थियों ने देशभक्ति के जोशीले नारों से पूरे परिसर को भरा। कार्यक्रम की भावना से गुंजायमान कर दिया। इसके बाद चारों सदनों के विद्यार्थियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया।मार्च-

एवं दीप प्रज्वलित करके सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन नीलम साहू एवं विक्टोरिया रानी ने किया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में चारों सदनों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद एवं यजुर्वेद सदन ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया, अथर्ववेद सदन की ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुति दर्शकों का उत्साह बढ़ाया, जबकि सामवेद सदन ने भी देशभक्ति से ओतप्रोत शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय में

सांस्कृतिक गतिविधि प्रमुख सपना गुर्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार कोरम ने विद्यार्थियों को देशप्रेम, शिक्षा, अनुशासन एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्य अतिथि कविता कोरम ने विद्यार्थियों को देशप्रेम एवं जिम्मेदारी का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना होनी चाहिए।

बिरगांव में निकाली गई 150 फीट की तिरंगा यात्रा

विश्व केसरी । **रायपुर।** पार्षद इकराम अहमद ने बताया की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिरगांव में आयोजित 150 फीट लंबी विशाल तिरंगा यात्रा में ऐतिहासिक जनसैलाब उमड़ा। गाजी नगर से शुरू हुई यह यात्रा बॉम्बे बेकरी, नगर निगम कार्यालय, बुधवारी बाजार, बिरगांव मेन रोड और व्यास तालाब चौक होते हुए जौहरे आजम चौक पहुंची। यात्रा के दौरान पूरा बिरगांव देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा नजर आया। गाजी नगर बिरगांव के जौहरे आजम चौक पर डॉ. जौहर मियां शफियाबादी



साहब ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए हमारे हजारों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर हमारा देश आजाद हुआ। आज भी कुछ ताकतें देश की एकता और अखंडता

को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे लोगों को पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ-साथ बिरगांव के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए हजारों

यात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर तिरंगे की विशाल छटा दिखाई दी। बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता ने इस आयोजन को बिरगांव के इतिहास का एक यादगार और गौरवपूर्ण अध्याय बना दिया। इस अवसर पर पार्षद इकराम अहमद ने कहा कि यह यात्रा किसी एक व्यक्ति या संस्था का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे बिरगांव की जनता के साप्ताहिक देशप्रेम, एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह और उमंग के साथ नागरिकों ने इस यात्रा में हिस्सा लिया, वह बिरगांव की सामाजिक एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है। इकाम अहमद ने कहा, ‘बिरगांव की

150 फीट की विशाल तिरंगा यात्रा में उमड़े ऐतिहासिक जनसैलाब और आप सभी साथियों के अपार सहयोग के लिए हम हृदय से आभारी हैं। आपका प्रेम, उत्साह और देशभक्ति हमेशा याद रहेगी। यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों को भी एकता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश देती रहेगी। उन्होंने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, माताओं-बहनों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आयोजन से जुड़े सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

दीपावली-होली से भी बढ़कर मनाएं राष्ट्रीय पर्व – विधायक रोहित साहू



कार्यक्रम में तिरंगा फहराया। इसके पश्चात विधायक ने विकास मोस्टे शोरूम पहुंचकर व्यवसायी श्याम अग्रवाल के व्यावसायिक प्रतिखन में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में भी सहभागिता की। इसके बाद विधायक रोहित साहू के नगर पालिका परिषद राजिम पहुंचने पर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, उपाध्यक्ष पूर्णिमा चंद्रनकर एवं नगर पालिका के

समस्त पार्षदगणों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। पुष्पगुच्छ भेंट कर विधायक का अभिनंदन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और उपस्थित नागरिकों में उत्साह का माहौल रहा। नगर पालिका परिषद राजिम में आयोजित मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह में पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया



विश्व केसरी । **छुरा (मानसिंह)** गरियाबंद। आईएसबीएम विश्वविद्यालय परिसर में 15 अगस्त 2026 को 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, देशभक्ति एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के साथ जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

समारोह का शुभारंभ प्रातः लुकेश्वरी निषाद जी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाकर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम में नगर पालिका छुरा की अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए देश के विकास में युवाओं को उच्च शिक्षा में लगातार आम बढ़ना है और एक पेड़ मां के नाम की भूमिका पर प्रकाश डाला। समारोह को

संबोधित करते हुए माननीय कुलपति डॉ. आनंद महलवार ने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, अनुशासन, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इसके पश्चात् कुलसचिव डॉ. बी.पी. भोल ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के त्याग एवं बलिदान को स्मरण किया तथा भारत की अर्थव्यवस्था एवं जीडीपी को बढ़ाने में आईआईटी एवं आईआईएम, डॉक्टर्स विशेष योगदान से हम विश्वगुरु बन सकते हैं। डॉन, अकादमिक्स डॉ. एन. के. स्वामी ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, राष्ट्रीय एकता एवं देशभक्ति का संदेश दिया। विश्वविद्यालय एक देश है जिसमें सभी मिलजुल कर रहे हैं। संयुक्त सचिव डॉ. रानी झा अपने संबोधन में कहा कि सभी को पेड़ की महत्व को समझना है और जैविक खेती के ऊपर ध्यान और एक पेड़ मां के नाम की भूमिका पर प्रकाश डाला। समारोह को

भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए घटा

विश्व केसरी ■
मुंबई। भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए घट गया है। इसकी वजह घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली होना था। बीते हफ्ते संसेक्स 489.92 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 78,009.25 और निफ्टी 204.65 अंक या 0.83 प्रतिशत गिरकर 24,366.00 पर बंद हुआ। शीर्ष 10 में टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसका मार्केटकैप 34,263.28 करोड़ रुपए कम होकर 8.53 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केटकैप में भी इस दौरान कमी देखने को मिली है, जो कि 31,869.13 करोड़ रुपए घटकर 17.70 लाख करोड़ रुपए हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केटकैप इस दौरान 25,891.88 करोड़ रुपए कम होकर 9.86 लाख करोड़ रुपए हो गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 7,165.37 करोड़ रुपए कम होकर 11.21



लाख करोड़ रुपए था। आईसीआईसीआई बैंक की वैल्यू 2,792.65 करोड़ रुपए कम होकर 10.18 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों

के मार्केटकैप में करीब 55,149.45 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) सबसे ज्यादा बढ़त वाली कंपनियों

शामिल रही। इसकी मार्केट वैल्यूएशन 26,438.49 करोड़ रुपए बढ़कर 5.23 लाख करोड़ रुपए हो गई। भारती एयरटेल ने भी अच्छी बढ़त दर्ज की। इसकी वैल्यूएशन में 20,592.13 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 12.43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।

बजाज फाइनेंस का मार्केट कैपिटलाइजेशन 3,548.79 करोड़ रुपए बढ़कर 6.77 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि लार्सन एंड टुब्रो की वैल्यूएशन में 2,490.66 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 5.59 लाख करोड़ रुपए हो गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर की मार्केट वैल्यू 2,079.38 करोड़ रुपए बढ़कर 4.91 लाख करोड़ रुपए हो गई।

हफ्ते के आखिर में, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे अधिक वैल्यू वाली कंपनी बनी रही। इसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 19 सेक्टरों के उम्मीद से अच्छे रहे नतीजे, फाइनेंशियल और मेटल सबसे आगे: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■
मुंबई। भारतीय कॉर्पोरेट्स के वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजों में 19 सेक्टरों का प्रदर्शन उम्मीद से अच्छा रहा है और इसमें फाइनेंशियल, मेटल्स, ऑयल एंड गैस (ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को छोड़कर) और ऑटोमोबाइल सबसे आगे रहे हैं। यह जानकारी रविवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। मोतीलाल ओसवाल द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का आय सीजन मजबूत प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ। प्रमुख क्षेत्रों में कंपनियों का प्रदर्शन अनुमान से बेहतर रहा। जहां कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) पर भारी दबाव डाला। वहीं वित्तीय सेवाओं, मेटल्स, ओएमसी को छोड़कर तेल एवं गैस, टेक्नोलॉजी, टेलीकॉम, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स और रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों ने



आय वृद्धि में सकारात्मक योगदान दिया। ओएमसी को छोड़कर मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) यूनिवर्स में बिक्री, ईवीआईटीडीए और टैक्स के बाद मुनाफे में सालाना आधार पर क्रमशः 18 प्रतिशत, 15 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ब्रोकरेज ने क्रमशः 15 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और 15 प्रतिशत वृद्धि का

अनुमान लगाया था।

रिपोर्ट के अनुसार, इस शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण बीएफएसआई, मेटल्स, ओएमसी को छोड़कर ऑयल एंड गैस, टेक्नोलॉजी और टेलीकॉम सेक्टर रहे। दूसरी ओर, ओएमसी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पिछले साल इसी अवधि में 162 अरब रुपए के मुनाफे के मुकाबले उन्हें 181 अरब रुपए का नुकसान हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीमेंट और इंटरग्लोब एविएशन ने भी कुल कमाई के प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डाला। निफ्टी ने सालाना आधार पर कर के बाद मुनाफा में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जो पिछले 10 तिमाहियों में सबसे अधिक है और मोतीलाल ओसवाल के 10 प्रतिशत के अनुमान से काफी बेहतर है। मार्केट कैप के अलग-अलग वर्गों में भी आय वृद्धि अनुमान से बेहतर रही। एमओएफएसएल यूनिवर्स की लार्ज-कैप कंपनियों की आय में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अनुमान 14 प्रतिशत का था।

मिड-कैप कंपनियों की आय में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 11 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। वहीं, स्मॉल-कैप कंपनियों की आय में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ब्रोकरेज का अनुमान 22 प्रतिशत था।

एफएसएसएआई के नोटिस के बाद खाद्य कंपनियों ने भ्रामक दावों को हटाया, लेबल और उत्पादों में किया बदलाव

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और भ्रामक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा भ्रामक दावों, गैर-मानकीकृत उत्पादों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर जारी नोटिसों के बाद कई खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। यह जानकारी सरकारी एजेंसी की ओर से रविवार को दी गई।

एफएसएसएआई ने कहा, 'नोटिस के बाद प्रमुख खाद्य व्यवसाय संचालकों ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। इन कदमों में भ्रामक लेबल दावों को हटाने से लेकर उपभोक्ता सुरक्षा और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उत्पादों की पैकेजिंग में बदलाव शामिल हैं।'

एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अनेस्ट इनोवेशन



फॉर यू प्राइवेट लिमिटेड और हेलियोटोन स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड को भ्रामक ट्रेडमार्क के उपयोग के लिए नोटिस जारी किया गया था। एफएसएसएआई के नोटिस के बाद दोनों कंपनियों ने अपने उत्पादों के नाम में बदलाव किया। इसी तरह, राजस्थान एग्रो एंड जनरल इंडस्ट्रीज भी भ्रामक ट्रेडमार्क का उपयोग करती पाई गई। कंपनी ने नोटिस का पालन करते हुए सभी भ्रामक दावों को हटाया

ड्रिंक के संबंध में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस मिलने के बाद कंपनी ने इस उत्पाद को अपनी वेबसाइट से हटा दिया।

एफएसएसएआई ने लिब्योर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अपने उत्पाद 'लिब्योर रोस्टेड एडामे बीन्स' के लेबल पर किए गए भ्रामक 'वीगन' और 'हेल्थी' दावों को लेकर उठाए गए सुधारात्मक कदमों का भी जिक्र किया। कंपनी ने कहा कि लागू नियमों की जानकारी के अभाव में ये दावे अनजाने में उत्पाद के लेबल पर छप गए थे। कंपनी ने इस उल्लंघन पर खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगी और आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी।

कंपनी ने संशोधित लेबल भी प्रस्तुत किया और कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दावों वाली मौजूदा पैकेजिंग सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।

वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से सरकारी अनुबंधों में डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का आग्रह किया



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से आग्रह किया है कि वे भविष्य के सरकारी अनुबंधों में दर वृद्धि और श्रेणी संबंधी प्रावधानों के लिए मौजूदा थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित व्यवस्था को जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाएं।

वाणिज्य मंत्रालय ने इस साल जून से वस्तुओं और सेवाओं, दोनों के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू किया है, ताकि उत्पादक स्तर पर कीमतों में होने वाले बदलाव को बेहतर तरीके से दर्शाया जा सके। डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर यह बदलाव विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई गई वैश्विक सर्वात्म प्रक्रियाओं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप है। आधिकारिक बयान के अनुसार, आउटपुट पीपीआई और इनपुट पीपीआई दोनों की उपलब्धता से किसी उद्योग में तैयार उत्पादों और इस्तेमाल किए जा रहे

इनपुट की कीमतों में होने वाले बदलाव को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। इससे यह भी समझने में मदद मिलती है कि इनपुट की कीमतों में उत्पादकों द्वारा श्रेणी गई महंगाई का असर तैयार उत्पादों की कीमतों पर किस तरह पड़ता है।

वित्त मंत्रालय के व्‍यय विभाग ने सभी मंत्रालयों को भेजे एक पत्र में कहा, 'पीपीआई उपलब्ध होने के बाद मंत्रालयों/विभागों को भविष्य के अनुबंधों में सभी मूल्य वृद्धि संबंधी प्रावधानों में डब्ल्यूपीआई की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 2022-23 को आधार वर्ष मानकर डब्ल्यूपीआई महंगाई की संशोधित श्रृंखला पहली बार 15 जून को जारी की गई थी। इस नई आधार श्रृंखला ने 2011-12 को आधार वर्ष मानने वाली पिछली डब्ल्यूपीआई श्रृंखला की जगह ली है।

इसके अलावा, 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए नई आउटपुट

पीपीआई श्रृंखला, ट्रायल इनपुट पीपीआई और सात सेवाओं के लिए सर्विस पीपीआई की नई श्रृंखला भी जारी की गई है। इन सात सेवाओं में बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन फंड प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवाएं और दूरसंचार शामिल हैं।

मूल्य वृद्धि संबंधी प्रावधानों में डब्ल्यूपीआई के व्यापक इस्तेमाल को देखते हुए संशोधित श्रृंखला जारी होने की तारीख से पांच वर्षों तक डब्ल्यूपीआई को पीपीआई के साथ जारी किया जाएगा और उसके बाद इसे बंद कर दिया जाएगा। बयान के अनुसार, इससे उपयोगकर्ताओं को डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर स्थानांतरित होने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

पहले चरण में सात सेवाओं के आधार पर तैयार किया गया है। आंकड़ों की उपलब्धता के आधार पर अगले चरणों में सर्विस पीपीआई की सूची में और सेवाओं को शामिल करने की योजना है।

केंद्र ने रिफाइनरियों और उत्पादकों के लिए एलपीजी उत्पादन लक्ष्य तय किए, आपूर्ति संबंधी जोखिम को कम करने में मिलेगी मदद

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और आयातित रसोई गैस की आपूर्ति में होने वाले व्यवधानों के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सरकार ने पहली बार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की रिफाइनरियों के साथ-साथ तेल एवं गैस उत्पादकों के लिए रिफाइनरी-वार और कंपनी-वार एलपीजी उत्पादन लक्ष्य तय किए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आदेश के जरिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके तहत आपूर्ति में कमी आने पर 21 रिफाइनरियों और अपस्ट्रीम कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाना होगा। नए ढांचे के तहत कुल संभावित उत्पादन क्षमता 63,810 टन प्रतिदिन तय की गई है। यह भारत की दैनिक एलपीजी खपत का लगभग 70 प्रतिशत है और देश के सामान्य घरेलू



उत्पादन से काफी अधिक है।

यह कदम हालिया परिचम एशिया संघर्ष के बाद उठाया गया है, जिसने आयातित एलपीजी आपूर्ति पर भारत की निर्भरता और उससे जुड़े जोखिमों को उजागर किया।

भारत में हर साल लगभग 3.32 करोड़ टन (करीब 91,000 टन प्रतिदिन) एलपीजी

की खपत होती है।

इसमें से केवल 1.31 करोड़ टन एलपीजी का उत्पादन देश में होता है, जबकि जरूरत का 64 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। इनमें से अधिकांश एलपीजी की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होती है। इस साल की शुरुआत में

ईरान से जुड़े संकट के दौरान इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से शिपमेंट में व्यवधान के कारण सरकार को आपातकालीन कदम उठाने पड़े थे। इनमें रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक की धाराओं को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़कर उत्पादन अधिकतम करने का निर्देश देना भी शामिल था।

औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को एलपीजी की आपूर्ति भी सीमित की गई थी, जबकि जहां सुविधा उपलब्ध थी, वहां घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संकट के चरम पर घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर लगभग 55,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया था। हालांकि, आपूर्ति की स्थिति में सुधार से होने के बाद इन आपातकालीन निर्देशों में धीरे-धीरे ढील दे दी गई।

आरबीआई ब्याज दरों पर फैसले को लेकर 'वेट एंड वॉच' मोड में, मध्य पूर्व तनाव बढ़ा जोखिम : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नीतिगत दरों (ब्याज दरों) पर फैसले को लेकर 'वेट एंड वॉच' मोड में बना हुआ है और मध्य पूर्व तनाव के समाधान को लेकर बनी हुई अनिश्चितता मैनुफैक्चरिंग इन्पुट लागत के लिए एक बड़ा जोखिम बनी हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

यस बैंक की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फिलहाल आरबीआई आपूर्ति पक्ष से आ रहे महंगाई के दबाव को नजरअंदाज कर 'वेट एंड वॉच' मोड में बना हुआ है। हालांकि, इसमें लगातार इजाफा हो रहा है, जो दिखाता है कि आपूर्ति पक्ष में हाल में आया झटका पूरी तरह से उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। इससे आने वाले समय में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना शून्य नहीं होती है।



यस बैंक ने अपने नोट में अनुमान जताया है कि थोक महंगाई दर इस साल 9 प्रतिशत और खुदरा महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। खुदरा और थोक महंगाई के बीच अंतर बना हुआ है, इसलिए थोक से खुदरा तक महंगाई के असर पास होने की

संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, नोट में कहा गया, 'हमें लगता है कि सरकार तेल कंपनियों के अंडर-रिक्वरी का बोझ पेट्रोल और डीजल की पंप कीमतों पर डालने से हिचकिचाएगी।' जुलाई के लिए मुख्य थोक महंगाई

सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीदों (9.75 प्रतिशत) के अनुरूप है और जून के 9.9 प्रतिशत के मुकाबले इसमें थोड़ी कमी आई है।

यस बैंक ने अपने नोट में कहा, 'हालांकि इनपुट कीमतों को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, लेकिन अहम मुद्दा यह है कि क्या यह स्थिति बनी रहेगी, क्योंकि वेस्ट एशिया संकट के समाधान को लेकर अनिश्चितता है। हम थोक से रिटेल तक महंगाई के असर का अंदाजा लगाने का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही, मुख्य खुदरा महंगाई बढ़ने की उम्मीदों के बावजूद, हम अपनी इस राय पर कायम हैं कि आरबीआई को 'इंतजार करो और देखो' की नीति अपनानी चाहिए और ब्याज दरों में बदलाव को टालना चाहिए।'

सूखी खांसी में तुलसी नहीं, दादी का ये पुराना नुस्खा आएगा काम, बनाएं इस काढ़े की रेसिपी

सूखी खांसी और गले की खराश में दादी-नानी के समय से मुलेठी, सौंफ और अजवाइन का इस्तेमाल किया जाता रहा है. जानिए इस पुराने देसी नुस्खे से काढ़ा बनाने का आसान तरीका और किन लोगों को मुलेठी के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए.

मौसम बदलते ही गले में खराश और सूखी खांसी की समस्या परेशान करने लगती है. ऐसी खांसी में बलगम नहीं निकलता, लेकिन बार-बार गले में खुजली या द्रवहद्ध-ह्दुह्दुह्दुह्दु महसूस होती रहती है. खासकर रात में यह परेशानी नौंद खराब कर सकती है. ऐसे में दादी-नानी के समय से कई घरों में मुलेठी, सौंफ और अजवाइन जैसी चीजों से गर्म पेय तैयार किया जाता रहा है. यह कोई इलाज नहीं है, लेकिन गर्म पेय और मुलेठी जैसे ingredients गले को कुछ समय के लिए soothing महसूस करा सकते हैं.

इस काढ़े में इस्तेमाल होने वाली मुलेठी को भारतीय पारंपरिक खान-पान और घरेलू नुस्खों में लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है. इसका स्वाद हल्का मीठा होता है और इसे गले की खराश में आराम देने वाले ingredient के तौर पर जाना जाता है.

वहीं सौंफ का स्वाद हल्का और aromatic होता है, जबकि



अजवाइन का इस्तेमाल पारंपरिक तौर पर कई घरेलू नुस्खों में किया जाता है. इन तीनों को पानी में उबालकर तैयार किया गया पेय गले के लिए गर्म और soothing महसूस हो सकता है.

इसके लिए एक कप पानी लें और उसमें मुलेठी का छोटा टुकड़ा,

आधा चम्मच सौंफ और एक चुटकी अजवाइन डालें. इसे धीमी आंच पर करीब 5-7 मिनट तक उबालें.

जब पानी थोड़ा कम होकर लगभग तीन-चौथाई कप रह जाए तो गैस बंद कर दें. अब इसे छानकर हल्का गुनगुना होने दें. स्वाद के लिए चाहें तो थोड़ी मात्रा में शहद

मिलाया जा सकता है. इसे बहुत गर्म अवस्था में न पिएं. धीरे-धीरे छोटे घूंट लेकर पीना बेहतर रहेगा.

कब पीना बेहतर है? गले में खुजली या हल्की सूखी खांसी होने पर इसे गुनगुना पिया जा सकता है. खासकर रात में सोने से पहले गर्म पेय गले को आरामदायक

महसूस करा सकता है. हालांकि इसे बार-बार या बहुत ज्यादा मात्रा में लेने की जरूरत नहीं है. यह भी समझना जरूरी है कि सूखी खांसी के कई कारण हो सकते हैं. एलर्जी, धूल-धुआं, वायरल संक्रमण, एसिड रिफ्लक्स या मौसम में बदलाव इसकी वजह हो सकते हैं।

बाजार से फ्रेश फली सब्जी खरीदते वक्त रखें इन बातों का ख्याल, जानिये इनके फायदे



ताजी फली वाली सब्जियां खरीदने के लिए रंग, बनावट और तोड़ने पर आवाज पर ध्यान दें. चमकीली हरी, चिकनी और आसानी से टूटने वाली फली चुनें. फ्रेंच बीन्स, ग्वार फली, मटर, बरबटी और सेम पोषक तत्वों से भरपूर होती

हरी और ताजी फली वाली सब्जियां भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं. सेम, बरबटी, ग्वार फली, मटर और फ्रेंच बीन्स जैसी सब्जियां न केवल स्वाद बढ़ाती हैं, बल्कि शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करती हैं. हालांकि बाजार में खरीदारी करते समय सही और ताजी फली की पहचान करना जरूरी होता है, ताकि आपको बेहतर स्वाद और पूरा पोषण मिल सके.

ताजी फली की पहचान कैसे करें ?

सबसे पहले फली के रंग पर ध्यान दें. ताजी फली का रंग चमकीला हरा होता है. यदि फली पीली पड़ रही हो, उस पर काले धब्बे दिखाई दें या वह मुड़ाई हुई लगे, तो उसे खरीदने से बचें.

फली को हल्का मोड़कर भी उसकी ताजगी जांची जा सकती है. ताजी फली आसानी से टूट जाती है और टूटने पर चटकने जैसी आवाज आती है. वहीं पुरानी फली ज्यादा लचीली या रेशदार महसूस होती है.

इसके अलावा फली की सतह चिकनी और सख्त होनी चाहिए. बहुत अधिक नरम, सिकुड़ी हुई या झुर्रियां वाली फलियां अक्सर बासी होती हैं. यदि फली के अंदर दाने जरूरत से ज्यादा उभरे हुए दिखाई दें, तो समझ लें कि वह अधिक परिपक्व हो चुकी है और पकाने पर स्वाद में उतनी अच्छी नहीं लगेगी।

दिल्ली-एनसीआर से थोड़ी दूर...लीजिए हिमाचल-उत्तराखंड वाला मजा, पहाड़ियों के बीच बहता झरना कर देगा दिल खुश

फरीदाबाद में अरावली की पहाड़ियों के बीच छिपी एक ऐसी जगह है, जहां सावन में पहुंचते ही नजारा पूरी तरह बदल जाता है. बारिश होते ही पहाड़ियों से पानी बहने लगता है, चारों तरफ हरियाली छा जाती है और झरनों की आवाज के बीच ऐसा माहौल बनता है, जैसे आप किसी पहाड़ी राज्य में आ गए हों. खास बात यह है कि यह जगह सिर्फ प्राकृतिक खूबसूरती के लिए ही नहीं, बल्कि पौराणिक मान्यताओं और धार्मिक आस्था के कारण भी खास मानी जाती है. यहां प्राचीन गुफा, मंदिर और स्थानीय लोगों से जुड़ी कई रोचक मान्यताएं इस जगह को और खास बनाती हैं.

सावन में बारिश होते ही झरना मंदिर की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है. अरावली की पहाड़ियों से बहता पानी छोटे-छोटे झरनों का रूप ले लेता है. चारों तरफ हरियाली दिखाई देती है और ठंडी हवा मन को सुकून देती है. यहां पहुंचने के बाद कुछ देर प्रकृति के बीच बैठने का मन करता है. आसपास का माहौल इतना शांत रहता है कि शहर की भागदौड़ याद ही नहीं रहती. खासकर बारिश के दिनों में यह जगह घूमने वालों को खूब पसंद आती है.

झरना मंदिर की सबसे खास बात यहां का प्राकृतिक माहौल है. बारिश के बाद पहाड़ियों से बहता पानी और चारों तरफ फैली हरियाली देखकर आपको हिमाचल या



ज्यादा बढ़ जाती है. अरावली की पहाड़ियों से निकलता पानी छोटे छोटे झरनों का रूप ले लेता है. चारों तरफ हरियाली दिखाई देती है और ठंडी हवा मन को सुकून देती है. यहां पहुंचकर कुछ देर बैठने का मन करता है. आसपास का माहौल इतना शांत रहता है कि शहर की भागदौड़ याद ही नहीं रहती. खासकर बारिश के दिनों में यह जगह घूमने वालों को खूब पसंद आती है.

झरना मंदिर की सबसे खास बात यहां का प्राकृतिक माहौल है. बारिश के बाद पहाड़ियों से बहता पानी और चारों तरफ फैली हरियाली देखकर आपको हिमाचल या

उत्तराखंड की याद आ सकती है. फर्क बस इतना है कि ऐसे नजारे देखने के लिए आपको फरीदाबाद से बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है. दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए यह जगह घूमने का अच्छा विकल्प हो सकती है. यहां परिवार और दोस्तों के साथ प्रकृति के बीच कुछ समय बिताया जा सकता है. पहाड़ियों और हरियाली के बीच यहां का शांत माहौल लोगों को काफी पसंद आता है.

स्थानीय लोगों के मुताबिक, मोहब्बताबाद में मौजूद यह झरना महाभारत काल से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि जब पांडवों ने इंद्रप्रस्थ

शहर बसाया था, तब उन्होंने अरावली की इन पहाड़ियों पर तप किया था. लोगों का कहना है कि उनके तप से यहां कई झरने प्रकट हुए थे. उन्हीं झरनों में से एक झरना मोहब्बताबाद में भी मौजूद है. हालांकि यह स्थानीय मान्यता है, लेकिन आसपास के गांवों में इस जगह को लेकर लोगों की गहरी आस्था है. श्रद्धालु यहां पहुंचकर मंदिर में दर्शन और पूजा करते हैं. झरना मंदिर को लेकर एक और मान्यता उदयालक मुनि से जुड़ी हुई है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यह जगह कभी उनकी तपोभूमि हुआ करती थी।

रक्षाबंधन पर घर में बनाएं हलवाई जैसे सॉफ्ट और स्पंजी रसगुल्ले, प्रेशर कुकर में सिर्फ 2 सीटी में होंगे तैयार, जानिए आसान तरीका



रक्षाबंधन पर बाजार से मिठाई लाने के बजाय घर पर सॉफ्ट और स्पंजी रसगुल्ले बनाए जा सकते हैं. अच्छे रसगुल्ले बनाने के लिए छेने में नमी का सही संतुलन रखना जरूरी है. छेने को अच्छी तरह मसलने से वह चिकना होता है और रसगुल्लों की बनावट बेहतर बनती है. लोइयां बनाते समय उनमें दारार नहीं होनी चाहिए. वरना पकाते समय रसगुल्ले टूट सकते हैं. उबलती चाशनी में डालने के बाद रसगुल्लों को प्रेशर कुकर में 2 सीटी तक पकाया जा सकता है. कुकर का प्रेशर अपने आप निकलने देने के बाद रसगुल्लों को ठंडा करके चाशनी के साथ सर्व करें.

रक्षाबंधन का त्योहार आते ही घर में मिठाइयों की खुशबू और भाई-बहन की मुलाकात का उत्साह बढ़ जाता है. मिठाई की दुकान पर जाते ही रसगुल्लों से भरा डिब्बा नजर आ जाए तो उसे देखकर मन ललचा ही जाता है. सफेद, मुलायम और चाशनी में डूबे रसगुल्ले आखिर किसे पसंद नहीं होते? मगर बाजार की मिठाई खरीदने के बजाय अगर इस बार घर पर ही हलवाई जैसे रसगुल्ले बन जाएं तो बात ही अलग है. खासकर तब, जब तरीका बहुत मुश्किल न हो.

दरअसल, घर पर रसगुल्ले बनाते समय सबसे बड़ी परेशानी छेना सही तैयार करने और रसगुल्लों को स्पंजी रखने की होती है. कई बार गंदें पकते ही टूट जाती हैं या फिर इतनी सख्त हो जाती हैं कि चाशनी में डूबे होने के बावजूद बाजार जैसा स्वाद नहीं आता. लेकिन छेने की नमी, उसकी अच्छी तरह मसलने की प्रक्रिया और पकाने के सही तरीके पर ध्यान दिया जाए तो यह मिठाई घर में भी अच्छी बन सकती है. यहां जानिए प्रेशर कुकर में रसगुल्ले बनाने का आसान तरीका।

बच्चों को हर सुविधा देना सही या गलत? प्रेटिंग पर छिड़ी बहस में सामने आई आजकल के माता-पिता की सोच

आज के समय में कई माता-पिता की सोच है कि अगर वे अपने बच्चों को बेहतर जिंदगी दे सकते हैं, तो उन्हें किसी चीज की कमी क्यों महसूस होने दें. अच्छी शिक्षा, महंगे गैजेट्स, ब्रांडेड कपड़े, शानदार छुट्टियां और हर जरूरत से पहले पूरी होती इच्छा – कई परिवारों में बच्चों को ये सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं. लेकिन सवाल यह है कि क्या बच्चों को हर सुख-सुविधा देना उनकी परवरिश के लिए सही है?

दूसरी तरफ कुछ माता-पिता जानबूझकर बच्चों को हर सुविधा तुरंत नहीं देते. वे चाहते हैं कि बच्चे पैसे की कीमत समझें, इंतजार करना सीखें और यह महसूस करें कि हर चीज सिर्फ इसलिए नहीं मिलती क्योंकि परिवार उसे खरीद सकता है. हालांकि, इस तरीके के भी फायदे और नुकसान दोनों हैं. आइए समझते हैं परवरिश के लिहाज से...

कई parenting e&ports और माता-पिता का मानना है कि बच्चों को सुविधाओं से पूरी तरह दूर रखने की जरूरत नहीं, लेकिन हर



इच्छा तुरंत पूरी करना भी सही तरीका नहीं है. अगर परिवार आर्थिक रूप से सक्षम है, तब भी बच्चे को हर lu&ury देना जरूरी नहीं. कभी Economy Class में सफर करना, basic phone इस्तेमाल करना या किसी महंगी चीज के लिए इंतजार करना बच्चों को जिंदगी की

वास्तविकता समझाने में मदद कर सकता है.

1. पैसे की कीमत समझ आती है अगर बच्चे को हर मांग पर नया खिलौना, फोन या महंगी चीज मिल जाती है, तो उसके लिए इन चीजों की कीमत समझना मुश्किल हो सकता है. सीमित सुविधाएं बच्चों को यह

समझने में मदद कर सकती हैं कि पैसे का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए.

2. इंतजार और धैर्य सीखते हैं हर इच्छा तुरंत पूरी न होने पर बच्चे धीरे-धीरे patience सीखते हैं. उन्हें समझ आता है कि कुछ चीजों के लिए इंतजार करना पड़ता है और हर

चाहत जरूरत नहीं होती.

3. Entitlement की भावना कम हो सकती है

जब बच्चों को यह समझाया जाता है कि सुविधा अधिकार नहीं बल्कि एक choice है, तो उनमें हर चीज को अपना हक समझने की आदत कम

हो सकती है. इससे वे भविष्य में अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर करना सीख सकते हैं.

4. जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है Pocket money को सीमित रखना या बच्चों को छोटे financial decisions में शामिल करना उन्हें

budgetinद और जिम्मेदारी का शुरुआती अनुभव दे सकता है.

बच्चों को भरपूर आजादी देने के फायदे

खुद फैसले लेना सीखते हैं बच्चे जब माता-पिता हर फैसला खुद लेने के बजाय बच्चों को भी छोटी-छोटी चीजों में चुनाव करने देते हैं, तो उनमें decision-making skills विकसित होती हैं. जैसे कौन सा खेल खेलना है, अपना खाली समय कैसे बिताना है या pocket money का इस्तेमाल कहाँ करना है. ऐसे छोटे फैसले आगे चलकर बड़े फैसले लेने का आत्मविश्वास देते हैं.

गलतियों से सीखने का मौका मिलता है Parenting में सबसे जरूरी चीजों में से एक है बच्चों को हर गलती से बचाने की कोशिश न करना. अगर बच्चा किसी छोटे फैसले में गलती करता है और उसके परिणाम गंभीर नहीं हैं, तो उसे अनुभव से सीखने देना बेहतर हो सकता है. इससे वह समझता है कि हर फैसले की जिम्मेदारी भी खुद उठानी पड़ती है।



तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं, गलतफहमियों को लंबा नहीं खींचना चाहिए

मुंबई | फिल्म संवाददाता

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेरियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खुब ध्यान खींचा था. अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। आईएनएस से खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी हैं। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक हैं, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें।

अपने प्रोडक्शन डेब्यू का उदाहरण देते हुए कही ये बात

आईएनएस से बात करते हुए सुरभि ने अपनी प्रोडक्शन डेब्यू सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके कई पुराने को-स्टार्स इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं। इन कलाकारों के साथ मेरा रिश्ता सिर्फ काम तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सालों पुरानी दोस्ती भी हैं। जब मैंने अपना शो के लिए पुराने दोस्तों को खुद फोन किया और उनसे इसमें काम करने के लिए कहा, तो वह तुरंत राजी हो गए।



“इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलाधियों की सराहना भी करनी चाहिए।

मतभेद होना बड़ी बात नहीं, लंबा खींचना सही नहीं

सुरभि ने कहा, "काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है।"

फरवरी में हुआ था विवाद

इस साल फरवरी में वेब सीरीज 'साइको सैयां' के प्रमोशन के दौरान सुरभि और तेजस्वी के बीच विवाद सामने आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेजस्वी ने सुरभि के साथ इंटरव्यू देने से इनकार कर दिया था। इस दौरान सुरभि भावुक होकर वहां से चली गई थीं, हालांकि तेजस्वी ने ऐसा फैसला क्यों लिया था, इसकी सही वजह अब तक साफ नहीं हुई है।



तेजस्वी के साथ अब भी बना हुआ है रिश्ता

सुरभि ने कहा, "तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ हैं। मैं तेजस्वी की बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थी। वह भी मेरे शो की सक्सेस पार्टी में आई थीं। हम दोनों एक-दूसरे को काफी लंबे समय से जानती हैं। हमारा रिश्ता उस समय से है, जब तेजस्वी ने ज्यादा शोज नहीं किए थे। हमारे पास एक-दूसरे के नंबर हैं और हम इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को फॉलो करते हैं।"

ट्रोलिंग को अब दिल पर नहीं लेतीं, सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं : नीति टेलर

विश्व केसरी ■
मुंबई। 'कैसी ये यात्रियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो 'एलायंस' में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खुब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने मीडिया से खास बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है। नीति ने कहा, "अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।"



ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव जिनहें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, साझा करते हुए नीति ने कहा, "ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं,

अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर हैं, तो आपको लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।" नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, "मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपको सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं।" बात अगर 'एलायंस' में उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशल टंडन की दोस्ती की हुई।

एफडब्ल्यूआईसीई का बैन हटने के बाद रणवीर सिंह ने शुरू की 'प्रलय' की शूटिंग, जॉम्बी एपोकैलिप्स थ्रिलर है फिल्म

विश्व केसरी ■
मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू कर दी है। खास बात यह है कि 'प्रलय' रणवीर का पहला प्रोजेक्ट है, जिस पर उन्होंने फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉई (एफडब्ल्यूआईसीई) की ओर से लगाए गए प्रतिबंध के हटने के बाद काम शुरू किया है। फिल्म को लेकर इसलिए भी उत्सुकता है, क्योंकि इसमें रणवीर पहली बार जॉम्बी एपोकैलिप्स थ्रिलर जैसे अलग विषय में नजर आने वाले हैं। बता दें कि, रणवीर सिंह पर इसी साल मई में एफडब्ल्यूआईसीई ने नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव जारी किया था। यह कार्रवाई फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' से उनके अचानक बाहर होने के बाद की गई थी। एफडब्ल्यूआईसीई के इस फैसले के बाद फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े 4 लाख से ज्यादा कर्मचारियों



को रणवीर के साथ काम न करने का निर्देश दिया गया था, जिसके चलते अभिनेता काफी सुर्खियों में रहे थे। हालांकि, 3 जून को एफडब्ल्यूआईसीई ने रणवीर सिंह के खिलाफ लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया। एफडब्ल्यूआईसीई का बैन हटने के बाद अब

अभिनेता ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। 'प्रलय' को एक जॉम्बी एपोकैलिप्स थ्रिलर बताया जा रहा है। फिल्म में 'लोका' फेम अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को कहानी दुनिया के खत्म होने की खतरनाक स्थिति के बीच इंसानों के संघर्ष पर आधारित होगी। कहानी ऐसे वक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी, जब दुनिया खत्म होने के करीब होगी और हर पल उसके लिए एक नई परीक्षा लेकर आएगा। फिल्म का यही सर्वाइवल एंगल इसे सामान्य जॉम्बी फिल्मों से अलग बनाने की कोशिश करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म के लिए असली जगहों और वास्तविक माहौल का इस्तेमाल करना चाहते हैं, ताकि कहानी ज्यादा स्वाभाविक और असरदार लगे।

विमल इलायची के विज्ञापन पर फंसे शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ, महाराष्ट्र एफडीए ने भेजा नोटिस

विश्व केसरी ■
मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एफडीए का आरोप है कि यह विज्ञापन सीधे तौर पर भले ही इलायची का प्रचार करता दिखाई देता हो, लेकिन इसके जरिए विमल पान मसाला ब्रांड का अप्रत्यक्ष या सरोगेट विज्ञापन किया जा रहा है। महाराष्ट्र में पान मसाला पर फिलहाल प्रतिबंध है, जिसके चलते राज्य एफडीए ने इस विज्ञापन को गंभीरता से लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एफडीए ने अजय देवगन को उनके जुड़ स्थित घर पर और शाहरुख खान को बांद्रा स्थित उनके घर मनन पर नोटिस पहुंचाया। वहीं, टाइगर श्रॉफ को नोटिस उनकी प्रोडक्शन कंपनी टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी के जरिए दिया गया है। नोटिस में तीनों से विज्ञापन में उनकी भूमिका को लेकर जवाब मांगा गया है। एफडीए का कहना है कि विमल ब्रांड मुख्य रूप से पान मसाला से जुड़ा हुआ है और महाराष्ट्र में इसके निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर जुड़े लोगों पर 10 लाख रुपए तक जुलाई 2026 को महाराष्ट्र के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से जारी



आदेश के तहत लगाया गया है और इसकी अवधि एक साल की है। इस कार्रवाई में एफडीए ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एफएसएस) एक्ट, 2006 की धारा 24 का भी हवाला दिया है। यह धारा खाद्य उत्पादों से जुड़े ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाती है, जो भ्रामक या धोखा देने वाले हो सकते हैं। इसके अलावा, नोटिस में इसी कानून की धारा 53 का भी जिक्र किया गया है। इस धारा के तहत भ्रामक खाद्य विज्ञापन के प्रकाशन या प्रचार से जुड़े लोगों पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। शाहरुख खान, अजय देवगन

और टाइगर श्रॉफ को भेजे गए ये नोटिस महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई का हिस्सा हैं। राज्य में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ विभाग ने हाल के दिनों में अपना अभियान तेज किया है। खास तौर पर गुच्छा और तंबाकू या निकोटीन वाले प्रतिबंधित पान मसाला उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा एफडीए खाद्य और दूध में मिलावट, स्कूलों के आसपास अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की बिक्री और प्रतिबंधित खाद्य उत्पादों के निर्माण एवं वितरण जैसे मामलों में भी कार्रवाई कर रहा है।

मां बनने से पहले सामंथा रुथ प्रभु ने लिया नया जिम्मा, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को करेंगी होस्ट

मुंबई। भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी जिंदगी के बेहद खास दौर से गुजर रही हैं। वह जल्द ही मां बनने वाली हैं, लेकिन इन दिनों वह एक नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटी हुई हैं। उन्हें कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को होस्ट करने के लिए चुना गया है। यह शो सामंथा के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें वह अपने अब तक के काम से बिल्कुल अलग भूमिका में नजर आएंगी। शो में तमिल फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-पहचाने सितारे किचन में खाना बनाते और एक-दूसरे को चुनौती देते दिखाई देंगे। अपने इस नए प्रोजेक्ट को लेकर सामंथा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, "मैं इस शो के बारे में दर्शकों को बताने का लंबे समय से इंतजार कर रही थी। 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' जैसे प्रोजेक्ट को

मैंने पहले कभी नहीं किया और यही बात मुझे इसकी तरफ खींच लाई।" सामंथा ने शो के बहाने खाने से जुड़ी अपनी सोच भी साझा की। उन्होंने कहा, "खाना सिर्फ भूख मिटाने का जरिया नहीं है, बल्कि यह लोगों को करीब लाने और उनके साथ यादें बनाने का एक शानदार तरीका भी है। खाना बनाने समय किसी व्यक्ति का ऐसा पक्ष सामने आ सकता है, जिसे आमतौर पर कैमरे के सामने देखने का मौका नहीं मिलता।" सामंथा को शो में आने वाले तमिल सितारों को किचन में अलग-अलग चुनौतियों से गुजरते देखने का भी खासा इंतजार है। सामंथा ने कहा, "मैं देखना चाहती हूं कि इंडस्ट्री के पसंदीदा कलाकार जब खाना बनाने की जिम्मेदारी संभालेंगे तो किस तरह जोखिम उठाएंगे और गलतियों से सीखेंगे।

ईशा की शादी के अगले दिन संसद पहुंच गई थीं हेमा मालिनी, मधु बोलीं- 'बेटी को छोड़कर अगले दिन सामान्य जिंदगी जीना आसान नहीं'



विश्व केसरी ■
मुंबई। अभिनेत्री मधु ने दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता हेमा मालिनी की जिंदगी से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि जब हेमा मालिनी की बड़ी बेटी ईशा देओल की शादी हुई थी, तो उसके ठीक अगले दिन वह संसद पहुंच गई थीं। मधु के लिए यह बात इसलिए खास है, क्योंकि एक मां के लिए बेटी की शादी और फिर उसके घर से विदा होने के बाद खुद को सामान्य जिंदगी में वापस लाना आसान नहीं होता। हालांकि हेमा मालिनी

ने भावनाओं के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों को निभाया और आगे बढ़ती रहीं। मधु का कहना है कि हेमा जी का यही अंदाज उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित करता है। मीडिया से खास बातचीत में मधु ने हेमा मालिनी की इस खूबी के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, "वह जिंदगी में किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ने में विश्वास रखती हैं। यही सोच उन्हें एक मजबूत इंसान बनाती है।" मधु ने ईशा देओल की शादी का

उदाहरण देते हुए बताया कि शादी के अगले ही दिन हेमा मालिनी संसद चली गई थीं। उन्होंने कहा, "जब ईशा की शादी हुई, तो अगले ही दिन वह संसद चली गईं। वह ईशा को मिस करती हैं। मां और बेटी का रिश्ता बेहद कोमल होता है। बेटी के घर से जाने के बाद अगले दिन सामान्य जिंदगी में लौटना आसान नहीं होता, लेकिन हेमा जी जिंदगी के साथ आगे बढ़ने पर विश्वास रखती हैं। एक इंसान के तौर पर वह शानदार हैं। वह मुझे प्रेरित करती हैं।" मधु ने हेमा मालिनी के इसी रवैये से जुड़ा एक और किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार हेमा मालिनी के घर में चोरी हो गई थी। घर से कुछ कीमती सामान चोरी होने के बावजूद उन्होंने खुद को उस घटना के तनाव में ज्यादा देर तक नहीं रखा। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और फिर अगले ही दिन अपने सामान्य काम में लौट गईं। मधु ने कहा, "इस घटना ने भी मुझे हेमा मालिनी की सोच को समझने का मौका दिया कि जिंदगी में जो हो गया, उसे लेकर लगातार परेशान रहने के बजाय अपनी जिंदगी को आगे बढ़ाते रहना चाहिए।" मधु ने बताया कि जब उन्होंने हेमा मालिनी से पूछा कि वह इतनी बड़ी घटना के बाद भी इतनी सहज कैसे रह पाईं, तो हेमा जी ने उन्हें बेहद अलग अंदाज में जवाब दिया। हेमा मालिनी ने कहा था, "क्या कर सकते हैं? शायद पिछले जन्म में मेरा उस घर में कोई कर्ज था। अगर वे उसे ढूँढ लेंगे तो वह मुझे वापस मिल जाएगा।" मधु और हेमा मालिनी के बीच सिर्फ इंडस्ट्री का रिश्ता नहीं है बल्कि दोनों एक-दूसरे की रिश्तेदार भी हैं। मधु, हेमा मालिनी की फर्स्ट कजिन हैं। मधु के पिता पी. रघुनाथन हेमा मालिनी के अंकल हैं।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना देने पर इजरायल के राष्ट्रपति और पीएम नेतन्याहू को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा धन्यवाद

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति हर्जोग की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामना दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका धन्यवाद अदा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत-इजरायल की विशेष रणनीतिक साझेदारी और मजबूत हो, जिससे नए अवसर खुलें और हमारे देशों के लोगों के बीच गहरे संबंध बनें। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग की ओर से शुभकामना देने पर पीएम मोदी ने उनको धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, 'राष्ट्रपति हर्जोग, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत इजरायल के साथ अपनी दोस्ती को बहुत महत्व देता है। हम अपने लोगों के फायदे के लिए अपनी रणनीतिक



साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीते दिन शनिवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया था, 'भारत और मेरे प्यारे दोस्त नरेंद्र मोदी को 80वें स्वतंत्रता दिवस

इजरायल के राष्ट्रपति की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया था, 'इजरायल की ओर से, मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के शानदार लोगों को आपके 80वें स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक बधाई देता हूँ। हम इजरायल और भारत के बीच की खूबसूरत दोस्ती को और मजबूत करते रहें।' बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को देशभर में जश्न का माहौल रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण किया था। इस दौरान उन्होंने 75 मिनट तक देशवासियों को संबोधित किया था। देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि आज हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक पल है। 80 साल बाद स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर पहली बार 'वंदे मातरम' गाया गया। हम 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में काम करेंगे। यह 140 करोड़ से ज्यादा देशवासियों की सामूहिक आवाज है।

किम जोंग-उन को रूस के साथ रिश्ते और मजबूत होने की उम्मीद, पुतिन को मेजा सदेश

विश्व केसरी ■
सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन रूस के साथ अपने संबंधों को लेकर काफी पॉजिटिव हैं। उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के रिश्ते आने वाले समय में और बेहतर होंगे। किम ने यह बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भेजे एक संदेश में कही है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह संदेश कोरिया की जापानी औपनिवेशिक शासन से मुक्ति की 81वीं वर्षगांठ के मौके पर पुतिन की ओर से भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में दिया गया। उत्तर कोरिया के सरकारी समाचार माध्यम केसीएनए ने बताया कि, किम ने शनिवार को भेजे अपने संदेश में रूस-उत्तर कोरिया संबंधों को साझा संघर्ष और दोस्ती की परंपरा पर आधारित बताया। किम ने कहा कि वह पुतिन के साथ मिलकर दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाने में



सक्षम होने पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच मौजूदा साझेदारी भविष्य में और मजबूत होगी तथा आपसी सहयोग का दायरा बढ़ेगा। किम और पुतिन के बीच पिछले कुछ वर्षों में रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं। जून 2024 में पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में दोनों देशों के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का प्रावधान भी शामिल है। उत्तर कोरिया की नजदीकी और दक्षिण कोरिया के अनुसार, प्योंगयांग ने रूस को हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराया है। यही नहीं रूसी सेना की मदद के लिए सैनिक भी भेजे हैं। इसके बदले उत्तर कोरिया को रूस से सैन्य और तकनीकी सहयोग मिलने की आशंका जताई जाती रही है। पुतिन ने भी अपने संदेश में दोनों देशों के बीच सहयोग को रेखांकित किया।

संक्षिप्त खबर

अमेरिका : इंडियाना में तीन दशक की सबसे भीषण बाढ़, छह की मौत

विश्व केसरी ■
इंडियानापोलिस/वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य इंडियाना में भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ ने बड़े स्तर पर तबाही मचा दी है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में चार साल के बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसे पिछले तीन दशकों में राज्य की सबसे गंभीर बाढ़ की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है। इंडियाना स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर ने कहा कि मरने वालों में तीन महिलाएं और दो पुरुष भी शामिल हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डेलावेयर काउंटी में दो और जेनिंस, लेक, पोर्टर और लापोर्ट काउंटी में एक-एक मौत की खबर है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने शुरू में पांच मौतों की खबर दी थी, जिसके बाद राज्य के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने शनिवार को बाद में छठी मौत की पुष्टि की। अधिकारियों ने कहा कि तूफान 11 अगस्त को इंडियाना से टकराना शुरू हुआ था। लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और कई सड़कें तथा रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। आपातकालीन सेवाओं को प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव अभियान चलाया पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इंडियाना के गवर्नर माइक ब्राउन ने शुक्रवार को प्रेसिडेंट इमरजेंसी की घोषणा की। शनिवार को, उन्होंने एक बयान जारी कर बताया कि संघीय सरकार ने मदद का वादा किया है।

ईरान ने फ्रांस को आंतरिक मामलों में दखल न देने की दी चेतावनी

विश्व केसरी ■
तेहरान। ईरान के इंटे्लिजेंस मंत्रालय ने फ्रांसीसी सरकार को ईरान के आंतरिक मामलों में 'गैर-कानूनी दखल' के खिलाफ चेतावनी दी है। मंत्रालय ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि जुलाई में तेहरान में दो फ्रांसीसी राजनयिकों ने विदेशी घुसपैठ और दखलअंदाजी से जुड़े एक बड़े मामले के संदिग्धों के साथ एक गुप्त बैठक में हिस्सा लिया था। जांच के बाद, मंत्रालय ने कहा कि इन राजनयिकों का ईरान के घरेलू कानूनों और उनकी राजनयिक जिम्मेदारियों के उल्लंघन और ऐसे व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड रहा है। मंत्रालय ने कहा कि वह ईरान में विदेशी राजनयिकों को 'गैर-कानूनी दखलअंदाजी' वाली गतिविधियों में शामिल नहीं होने देगा, साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसा व्यवहार दोबारा हुआ, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी सिन्हूआ समाचार एजेंसी ने दी। 20 जुलाई को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बरैटो ने कहा था कि तेहरान में फ्रांस के दूतावास के दो अधिकारियों को हिरासत में लिया गया और उनके साथ बुरा बर्ताव किया गया। उन्होंने बताया कि दूतावास लौटने से पहले दोनों को बिना किसी वजह के कई घंटों तक हिरासत में रखा गया, उनसे पूछताछ की गई और उनमें से एक के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया। बरैटो ने कहा कि वे अब सुरक्षित हैं और कुछ ही घंटों में फ्रांस लौटने वाले हैं।

हंगरी में भीषण सड़क हादसा: 12 की मौत और कई घायल, 24 टन वजनी कोच के नीचे दबे थे लोग

विश्व केसरी ■
बुडापेस्ट। हंगरी में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 10 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। एम3 मोटरवे (राजमार्ग) पर मेजोकेरेजेट्स शहर के पास पोलैंड पर रजिस्टर्ड ट्रिस्ट बस खाई में गिर गई। 24 टन वजनी कोट को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा। इसके नीचे कई यात्री दबे पड़े थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 1 बजे मेजोकेरेजेट्स से निकलने के थोड़ी देर बाद, न्यिरेगोहाजा शहर की ओर जाने वाले मोटरवे पर चल रही थी। नेशनल एम्बुलेंस सरकारी समाचार एजेंसी एमटीआई



के अनुसार, बस में 57 यात्री और दो ड्राइवर सवार थे। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस का मानना है कि अचानक ड्राइवर को नींद की झपकी आई जिससे वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और यह दुर्घटना तौर पर मुश्किल था क्योंकि कई पैसेंजर पलटी हुई गाड़ी के नीचे फंसे हुए थे। हादसा बड़ा था इसलिए 14 एम्बुलेंस यूनिट्स को मौके पर भेजा गया। एक व्यक्ति की जान को खतरा है, जबकि नौ को ज्यादा चोट आई है। वहीं, 37 अन्य लोगों को मामूली चोट आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन खास तौर पर मुश्किल था क्योंकि कई पैसेंजर पलटी हुई गाड़ी के नीचे फंसे हुए थे।

औपचारिक रूप से युद्ध खत्म करने के दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली के प्रस्ताव पर प्योंगयांग खामोश

विश्व केसरी ■
सोल। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की उस पहल पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिसमें उन्होंने 1950-53 के कोरियाई युद्ध को औपचारिक रूप से समाप्त करने और स्थायी शांति व्यवस्था स्थापित करने के लिए बातचीत का प्रस्ताव दिया था। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि ली ने शनिवार को देश के मुक्ति दिवस के मौके पर दिए अपने संबोधन में उत्तर कोरिया के साथ संवाद बहाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को लंबे समय से चले आ रहे टकराव और समाप्त करने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास करने चाहिए। हालांकि, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने रविवार सुबह तक ली के संबोधन को लेकर कोई खबर प्रकाशित नहीं की। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) और रोडोंग सिनमुन ने इसके बजाय जापानी औपनिवेशिक शासन से कोरिया

राष्ट्रपति ली का ताजा प्रस्ताव ऐसे समय आया जब उनका प्रशासन उत्तर कोरिया के साथ संबंधों में तनाव कम करने और संवाद शुरू करने की लगातार कोशिश कर रहा है। ली के प्रशासन ने सत्ता संभालने के बाद से उत्तर कोरिया के साथ बातचीत और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को अपनी प्रमुख नीतियों में शामिल किया है। हालांकि, प्योंगयांग ने अब तक सोल की मेल-मिलाप की कई कोशिशों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में दक्षिण कोरिया के प्रति अपना रुख और कड़ा किया है तथा दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनीतिक तनाव बना हुआ है। ली के प्रस्ताव में युद्ध को औपचारिक रूप से समाप्त करने के साथ-साथ क्षेत्र में स्थायी शांति व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में बातचीत पर जोर दिया गया है, लेकिन उत्तर कोरिया की शुरुआती चुप्पी से संकेत मिलता है कि सोल के लिए प्योंगयांग को बातचीत की मेज पर लाना फिलहाल आसान नहीं होगा।

उत्तर कोरियाई सैनिकों के सीमा पार करने पर दक्षिण कोरिया ने दागे 'वॉर्निंग शॉट्स'

विश्व केसरी ■
सोल। दक्षिण कोरियाई सेना ने पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया के कई सैनिकों के सैन्य सीमांकन रेखा (एमडीएल) को पार करते देख चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई थीं। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। चेतावनी के बाद उत्तर कोरियाई सैनिक वापस अपनी सीमा में लौट गए थे। सरकारी सूत्र के मुताबिक, यह घटना पूर्वी मोर्चे के अग्रिम इलाके में हुई। उत्तर कोरियाई सैनिकों का एक समूह एमडीएल के दक्षिणी हिस्से में कुछ समय के लिए दाखिल हो गया था। दक्षिण कोरियाई सेना ने निर्धारित सैन्य नियमों के तहत पहले चेतावनी दी और इसके बाद चेतावनी गोलियां चलाई। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों के वापस लौटने



के बाद इलाके में किसी असामान्य गतिविधि की सूचना नहीं मिली। शुरुआती आकलन में माना जा रहा है कि ये सैनिक संभवतः सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे और इसी दौरान गलती से सीमांकन रेखा पार कर गए। एमडीएल दोनों देशों को अलग करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे और इसी दौरान प्रसारण के जरिए पीछे हटने को कहा जाता है। यदि वे सीमा पार कर जाते हैं।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता के भूकंप से 51 की मौत, लगाया गया 14 दिन का आपातकाल

विश्व केसरी ■
जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेगारा प्रांत की सरकार ने फ्लोरेस द्वीप में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद 14 दिनों के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया की स्थिति घोषित कर दी है। यह अवधि 15 से 28 अगस्त तक लागू रहेगी। प्रांतीय सरकार के आदेशानुसार, भूकंप का केंद्र नोकेओ रिजेंसी के मबे शहर से करीब 30 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में 15 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के मुताबिक, भूकंप के बाद आए 341 झटकों के बीच अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 113 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के कारण बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सिक्का में 3,356, मंगरई में 2,078 और नोकेओ में 500 लोग राहत शिविरों



में शरण लिए हुए हैं। बिमा और सेलयांग इलाकों में भी लोग विस्थापित हुए हैं। आपदा में 914 मकान पूरी तरह या भारी क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 126 मकानों को मध्यम और 317 को हल्का नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 93 शैक्षणिक संस्थानों, 36 स्वास्थ्य केंद्रों और 38 सरकारी कार्यालयों को भी क्षति पहुंची है। पूर्वी नुसा तेगारा के गवर्नर मेल्वी फोर्स बेस के जरिए प्रभावित क्षेत्रों में जांच की जा रही है।

बेल्जियम में लगी भीषण आग से हाहाकार, 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख

विश्व केसरी ■
ब्रसेल्स। बेल्जियम में आग लगने से हाहाकार मच गया है। आग इतनी भीषण है कि 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि शनिवार शाम तक बेल्जियम के पूर्वी इलाके 'हाई फेन्स' में लगी देश की अब तक की सबसे भीषण आग की वजह से लगभग 2,000 हेक्टेयर वनस्पति जलाकर राख हो गई है। वालून पब्लिक सर्विस की ओर से पुष्टि की गई है कि जंगल की आग से जलने वाले सबसे बड़े इलाके का राष्ट्रीय रिकॉर्ड इस आग ने बनाया है। सिन्हूआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे आग



लगने के बाद लगभग 30 घंटे तक आग बुझाने का काम जारी रहा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आस-पास के इलाकों से करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। एहतियात के तौर पर वाइम्स नगरपालिका के

सौरब्रॉइट इलाके के करीब 500 लोगों और बुटजेनबैक के करीब 100 लोगों को वहां से हटाया गया। सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के आदेश सौरब्रॉइट की 15 सड़कों और बुटजेनबैक की सात सड़कों के लिए लागू किए गए थे। ईयू सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म के तहत अंतरराष्ट्रीय मदद जुटाई जा रही थी। आग पर काबू पाने के लिए डच सेना के दो हेलीकॉप्टर, चेक गणराज्य का एक फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर और स्वीडन के दो फायरफाइटिंग विमान

तैनात किए गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि हवाओं की वजह से आग बुझाने में परेशानी हो रही थी और आग के बढ़ने का भी खतरा बढ़ गया था। इससे पहले बेल्जियम ने आग बुझाने में अतिरिक्त मदद के लिए यूरोपीय संघ के सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म को सक्रिय करने का अनुरोध किया था। शनिवार को ईयू के बेड़े से एक हेलीकॉप्टर और दो फायरफाइटिंग विमान बेल्जियम के लिए रवाना हुए थे। शनिवार दोपहर तक आग बेकाबू बनी हुई थी। बेल्जियम के अधिकारियों ने तीन हेलीकॉप्टर तैनात किए, जबकि सेना ने जमीन पर चल रहे ऑपरेशन को मजबूत करने के लिए तीन पैंथर फायरफाइटिंग वाहन भेजे थे।

15 अगस्त | स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

गौतम हॉस्पिटल

आपका स्वास्थ्य, हमारी प्राथमिकता

24x7
आपातकालीन सेवा
हर आपात स्थिति में
हम हैं आपके साथ

उपलब्ध आपातकालीन सेवाएं

- 24x7 अनुभवी डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ
- आधुनिक ICU एवं क्रिटिकल केयर सुविधा
- 24x7 एम्बुलेंस सेवा
- ऑक्सीजन एवं इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट
- डिजिटल एक्स-रे एवं पैथोलॉजी जॉब
- सीटी स्कैन एवं 3D/4D कलर सोनोग्राफी
- दुर्घटना (Accident) एवं ट्रामा की त्वरित चिकित्सा
- हार्ट अटैक, स्ट्रोक, सॉस की तकलीफ एवं गंभीर मरीजों का तत्काल उपचार

आपका स्वास्थ्य, हमारी प्राथमिकता

हर पल, हर परिस्थिति में बेहतर और विश्वसनीय चिकित्सा सेवा देने के लिए गौतम हॉस्पिटल सदैव तत्पर है..

NEAR KANHARGAON NAKA,
BHANUPRATAPPUR,
DISTRICT KANKER (C.G.)

99779 55333
77110 66662

www.gautamhospital.org



इन स्थितियों में तुरंत अस्पताल आएं

- सीने में तेज दर्ज
- सॉस लेने में तकलीफ
- सड़क दुर्घटना या गंभीर चोट
- अचानक बेहोशी या दौरा पड़ना
- अत्यधिक रक्तस्राव
- तेज बुखार के साथ बेहोशी या भ्रम

आन देश की, शान देश की, देश की हम संतान हैं
तीन रंगों से रंगा तिरंगा, अपनी ये पहचान है !

समस्त क्षेत्रवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

वन बचेंगे तो जीवन बचेगा

पेड़-पौधों की रक्षा करें
हरियाली को बढ़ाएं

जंगल को आग से बचाएं

वन्य जीवों का संरक्षण करें

वन हमारी धरोहर है,
आओ मिलकर इसे बचाएं

विनीत : वन परिवार, भानुप्रतापपुर

दिल से मर कर भी ना निकलेगा वतन की उलफत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए-वतन आएगी।

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं...

विनीत : लोक निर्माण विभाग, भानुप्रतापपुर

दे सलामी इस तिरंगे को, जिससे तेरी शान है,
सिर हमेशा ऊंचा रखना इसका जब तक जान है।

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

विनीत : प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, भानुप्रतापपुर

बेहतर सड़क • बेहतर जीवन • विकसित गाँव • आत्मनिर्भर भारत



विनीत - जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मेटल माईस डिवीजन, भानुप्रतापपुर



विनीत - आदिम जाति सेवा समिति मर्यादित, संबलपुर



विनीत - आदिम जाति सेवा समिति मर्यादित, दमकसा



विनीत - वन परिक्षेत्र अधिकारी, कोरर



मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर



विनीत :- परिवहन संघ, भानुप्रतापपुर



विनीत - समस्त ग्रामवासी, संबलपुर



विनीत - समस्त ग्रामवासी, नारायणपुर

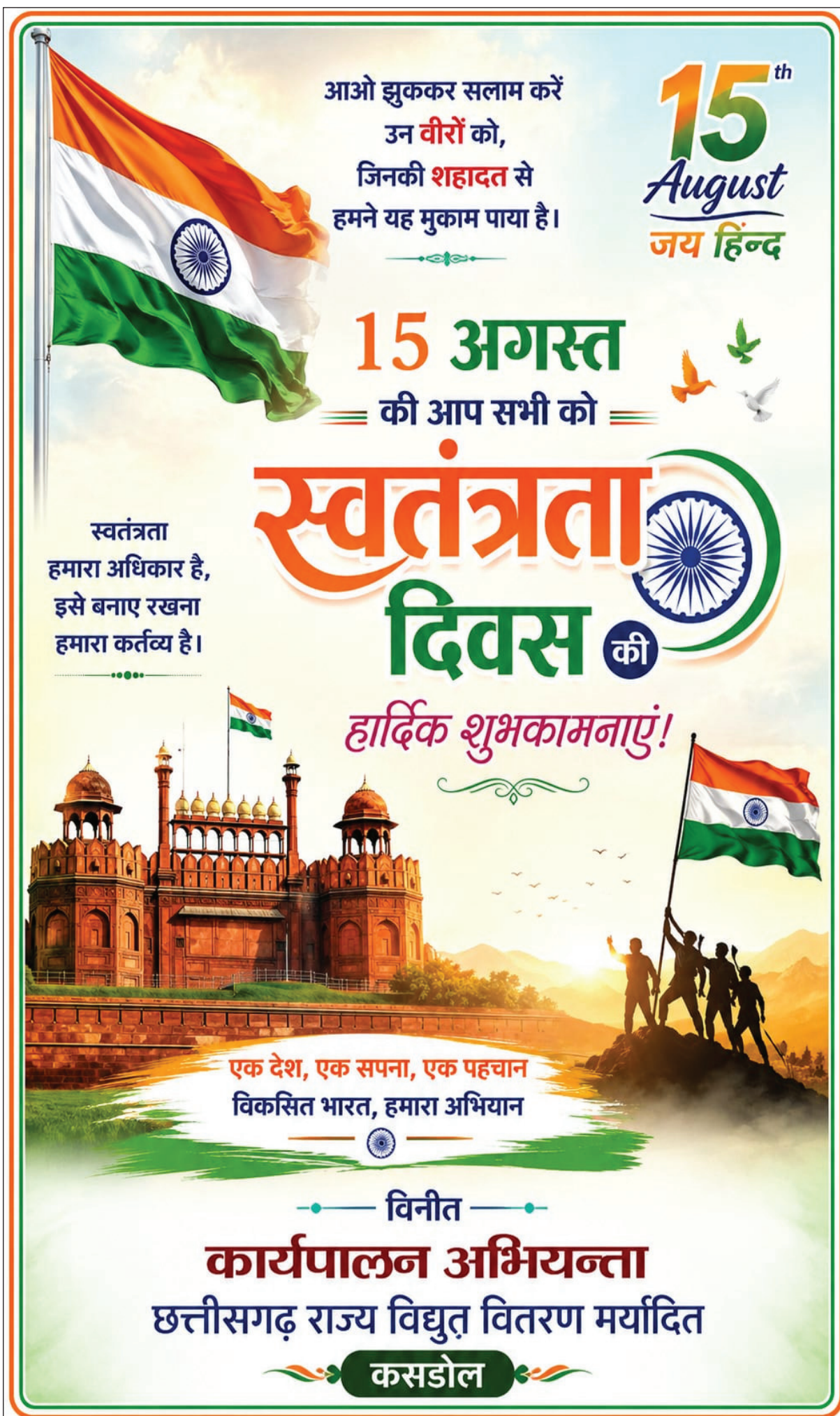


जगदलपुर का अपना
GAMING ZONE

अब मनोरंजन होगा.... और भी रोमांचक

+91 6267-111153

2ND FLOOR, BMS MALL, JAGDALPUR



आओ झुककर सलाम करें
उन वीरों को,
जिनकी शहादत से
हमने यह मुकाम पाया है।

15th August
जय हिन्द

15 अगस्त
की आप सभी को

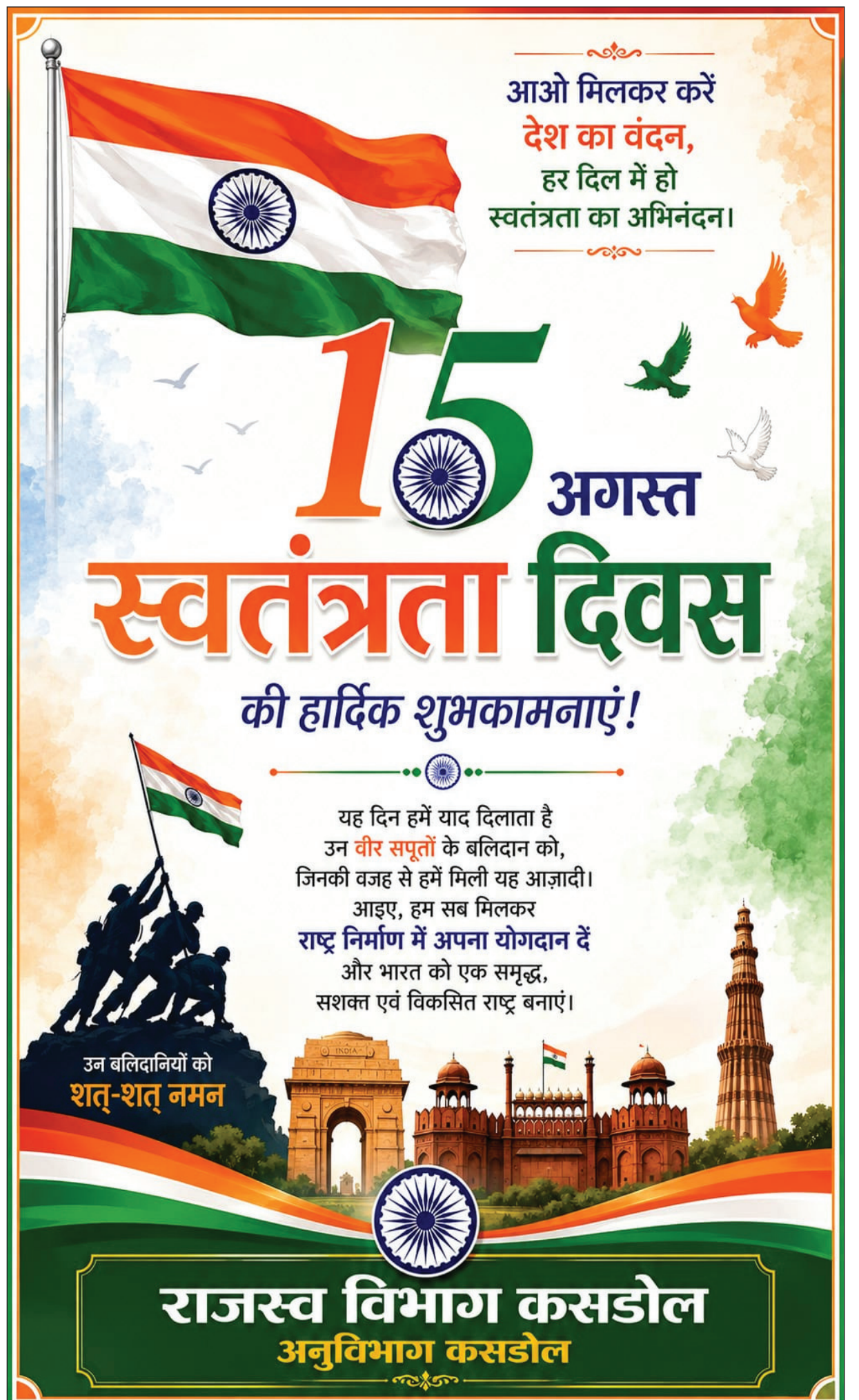
स्वतंत्रता दिवस की

स्वतंत्रता
हमारा अधिकार है,
इसे बनाए रखना
हमारा कर्तव्य है।

हार्दिक शुभकामनाएं!

एक देश, एक सपना, एक पहचान
विकसित भारत, हमारा अभियान

— विनीत —
कार्यपालन अभियन्ता
छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण मर्यादित
कसडोल



आओ मिलकर करें
देश का वंदन,
हर दिल में हो
स्वतंत्रता का अभिनंदन।

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं!

यह दिन हमें याद दिलाता है
उन वीर सपूतों के बलिदान को,
जिनकी वजह से हमें मिली यह आज़ादी।
आइए, हम सब मिलकर
राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें
और भारत को एक समृद्ध,
सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बनाएं।

उन बलिदानियों को
शत-शत नमन

राजस्व विभाग कसडोल
अनुविभाग कसडोल